www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 05 | अंक – 75 | जौनपुर, शनिवार, 31 अक्टूबर 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

राहुल गांधी ने शेयर किया रामलीला मैदान का मैप

नई दिल्ली, (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शनिवार को लोगों को रविवार को राष्ट्रीय राजधानी में एक मार्च में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। यह मार्च रामलीला मैदान तक जाएगा, जहां 1 नवंबर को इंडियाश (छक्क्।) गठबंधन की एक बड़ी रैली होने वाली है। हालांकि, दिल्ली पुलिस के सूत्रों ने समाचार एजेंसी ।छप् को बताया कि कनॉट प्लेस से प्रस्तावित इस मार्च के लिए कोई अनुमति नहीं मांगी गई है। राहुल ने एक्स पर एक पोस्ट में मार्च का रूट और शेड्यूल साझा करते हुए कहा, ष्कल मिलते हैं, आइए साथ चलें। उनकी पोस्ट के अनुसार, यह मार्च रविवार दोपहर को कनॉट प्लेस के पास मिंटो रोड जंक्शन से शुरू होगा। इसमें शामिल लोग अजमेरी गेट की ओर बढ़ेंगे और अंत में रामलीला मैदान पहुंचेंगे। राहुल की इस घोषणा पर दिल्ली पुलिस के सूत्रों ने ।छप् को बताया कि कनॉट प्लेस से मार्च निकालने की अनुमति के लिए कोई आवेदन नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि सांसद और राजनीतिक नेता अपनी निजी गाड़ियों से कॉन्स्टिट्यूशन क्लब, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास या अपनी पसंद की किसी भी अन्य जगह पर जा सकते हैं। सूत्रों ने यह भी बताया कि जंतर–मंतर, जो राजधानी में विरोध प्रदर्शनों के लिए पारंपरिक रूप से तय जगह रही है, उसे अब विरोध प्रदर्शन स्थल के रूप में मान्यता नहीं दी गई है।

सोशल मीडिया पर लाइक बढ़ाने के बजाय करियर बनाने पर ध्यान दें युवा अधिवक्ता

इलाहाबाद, (एजेंसी)। अदालत परिसरों में चल रहे विरोध प्रदर्शनों और न्यायिक कामकाज में डाली जा रही बाधाओं के बीच इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने एक बेहद महत्वपूर्ण और सख्त टिप्पणी की है। अदालत ने कहा है कि युवा अधिवक्ताओं को सोशल मीडिया पर अपनी पोस्ट और वीडियो पर 'लाइक' बटोरने के बजाय अपनी कानूनी पढ़ाई, मुकदमों की गहरी तैयारी और अपने पेशेवर जीवन (करियर) को संवारने पर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए। न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल की एकल पीठ ने राजेश नामक व्यक्ति की जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान यह अहम टिप्पणी की। अदालत ने इस बात पर कड़ी चिंता जताई कि सोशल मीडिया पर उच्च न्यायालय के कामकाज को लेकर कई बार अधूरी, बिना पुष्टि के और भ्रामक जानकारियां प्रसारित की जा रही हैं, जिससे न्यायपालिका और बार (अधिवक्ता संघ) के बीच अनावश्यक गलतफहमी और दूरियां पैदा हो सकती हैं। अदालत ने यह टिप्पणी राजेश नाम के एक व्यक्ति की जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान की। अदालत ने उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन से इस मुद्दे पर विचार करने और उच्च न्यायालय की गरिमा बनाए रखने के लिए उचित कदम उठाने को कहा। अदालत ने स्पष्ट किया कि अधिवक्ताओं की गरिमा में निजी और सरकारी, दोनों क्षेत्रों में कार्यरत वकील शामिल हैं।

दिल्ली-काशी वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को पीएम मोदी ने दिखाई हरी झंडी

वाराणसी , (एजेंसी)। भारतीय रेलवे के लिए एक ऐतिहासिक दिन के रूप में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने काशी (वाराणसी) और दिल्ली को जोड़ने वाली नई श्वंदे भारत स्लीपर ट्रेनश को हरी झंडी दिखाई और यात्रियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं पर प्रकाश डाला। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह ट्रेन यात्रा को और तेज, आरामदायक और सुगम बनाएगी। एक्स (ट पर एक पोस्ट में, प्रधानमंत्री ने बताया कि यह ट्रेन आधुनिक सुविध ाओं और अत्याधुनिक सुरक्षा प्रणालियों से लैस है। उन्होंने लिखा आज का दिन दिल्ली और काशी के बीच रेल से यात्रा करने वालों के लिए एक ऐतिहासिक दिन है। काशी–दिल्ली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन के शुरू होने



से न केवल समय की बचत होगी, बल्कि यात्रियों का अनुभव भी बेहतर होगा। आधुनिक सुविधाओं और अत्याध ुनिक सुरक्षा प्रणाली से लैस, यह देश की दूसरी वंदे भारत स्लीपर ट्रेन है। एक अन्य पोस्ट में प्रध ानमंत्री मोदी ने कहा कि यह ट्रेन काशी से प्रयागराज और कानपुर सेंट्रल होते हुए दिल्ली तक जाएगी, जिससे लाखों श्रद्धालुओं, पर्यटकों, युवाओं और व्यापारियों के लिए यात्रा सुविधाजनक हो जाएगी। उन्होंने कहा काशी से प्रयागराज और कानपुर सेंट्रल होते हुए दिल्ली तक चलने वाली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन लाखों श्रद्धालुओं, पर्यटकों, युवाओं और व्यापारियों के लिए यात्रा को आसान बनाएगी। इस मार्ग के धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व को रेखांकित करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि यह सेवा आस्था को अवसरों से और परंपरा को आधुनिकता से जोड़ेगी। उन्होंने कहा चाहे बाबा विश्वनाथ के दर्शन हों या संगम की यात्रा, यह ट्रेन आस्था को अवसरों से और परंपरा को आधुनिकता से जोड़ेगी। इस नई रेल सेवा के लिए सभी को हार्दिक शुभकामनाएं! शनिवार को वाराणसी में, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने वाराणसी और नई दिल्ली के बीच नई श्वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेसश सेवा को हरी झंडी दिखाई।

आज लोकतंत्र की सबसे बड़ी रक्षक बनने का ढोंग कर रही कांग्रेस– जेपी नड्डा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण व रसायन एवं उर्वरक मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने शनिवार को छत्तीसगढ़ के दुर्ग में आयोजित 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' यात्रा में प्रतिभाग किया और इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कांग्रेस और राहुल गांधी पर संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करने तथा चुनाव आयोग पर अनर्गल आरोप लगाने का आरोप लगाया।जेपी नड्डा ने कहा कि मतदाता सूची का शुद्धिकरण लोकतंत्र की मजबूती और घुसपैठियों की पहचान के लिए आवश्यक है। उन्होंने आपातकाल, कांग्रेस शासनकाल में लोकतांत्रिक संस्थाओं के कथित दुरुपयोग और विपक्ष की वोट चोरी संबंधी राजनीति का उल्लेख करते हुए कार्यकर्ताओं से गांवों, चौपालों और मोहल्लों में तथ्यों एवं तर्कों के साथ जनजागरण अभियान चलाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, कैबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव, केदार कश्यप, श्याम बिहारी जायसवाल, सांसद विजय बघेल, प्रदेश उपाध्यक्ष जगन्नाथ पाणिग्रही सहित अन्य नेतागण उपस्थित रहे।उन्होंने कहा कि हम सभी सौभाग्यशाली हैं कि हमारा जन्म भारत जैसे देश में हुआ है। भारत को प्रजातंत्र की जननी और श्मदर ऑफ डेमोक्रेसीश कहा जाता है। सबसे बड़ी बात यह है कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा प्रजातांत्रिक देश है। हमारे देश में 90 करोड़ से अधिक मतदाता हैं और इसकी आबादी 140 करोड़ है। सबसे खुशी की बात यह है कि जब दुनिया में चुनाव कराने की बात आती है, तो विश्व भारत के चुनाव आयोग की खुले दिल से प्रशंसा करता है।



राष्ट्रीय एकता को जाति और क्षेत्रवाद से खतरा, लखनऊ में बोले योगी आदित्यनाथ

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 31 अक्टूबर को लखनऊ के जीपीओ में सरदार वल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की और राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि जातिवाद और भाषावाद समाज को कमजोर कर आक्रांताओं को आमंत्रित करते हैं, जबकि पटेल के अनुयायी देश की सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर समाज को बांटने वाली ताकतों पर प्रहार करते हुये कहा कि राष्ट्रीय



एकता को तब खतरा होता है, जब हम जाति, क्षेत्र के नाम पर बंटते और कमजोर होते हैं। योगी ने कहा, ''जब शरीर की प्रतिरोधक क्षमता समाप्त हो जाती है, तब बीमारी होती है। जातिवाद, क्षेत्रवाद, भाषावाद वही बीमारी है, जो समाज की प्रतिरोधक क्षमता को कमजोर करती है और फिर आक्रांताओं को हमला करने के लिए आमंत्रित करती हैं। लौह पुरुष का अनुयायी वही हो सकता है जो भारत की एकता, सुरक्षा को सर्वोपरि रखता है।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन्ना को आदर्श मानने, समाज को बांटने वाले विभाजनकारी लोग वल्लभ भाई पटेल के सच्चे अनुयायी नहीं हो सकते। उन्होंने सरदार वल्लभ भाई पटेल की 151वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में जीपीओ स्थित सरदार पटेल की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर राष्ट्रीय एकता दिवस पर लोगों को शपथ दिलाई। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर 2014 के बाद से 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में अनवरत आयोजित किया जाता है। इस वर्ष लौह पुरुष की 151वीं जयंती पर डबल इंजन सरकार ने अनेक कार्यक्रम आयोजित किए हैं।

यूपी में भाजपा सरकार अंगद के पांव की तरह है, जिसको कोई हिला नहीं सकता –अमित शाह

लखनऊ, (संवाददाता)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को डॉ. राम मनोहर लोहिया विधि विश्वविद्यालय के डॉ भीमराव आंबेडकर प्रेक्षागृह, लखनऊ में भारतीय जनता पार्टी की उत्तर प्रदेश प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया और प्रदेश कार्यसमिति सदस्यों को जीत का मंत्र दिया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार अंगद के पांव की तरह है, जिसको कोई हिला नहीं सकता। उन्होंने कहा कि यूपी में फिर से एक बार प्रचंड बहुमत के साथ भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने जा रही है और इसमें कार्यकर्ताओं को किसी दुविधा में रहने की आवश्यकता नहीं है।शाह ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि उन्हें अर्जुन की तरह सिर्फ



चिड़िया की आंख दिखाई पड़नी चाहिए, क्योंकि अब समय तीसरी बार भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाने का है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रेखा वर्मा, प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह, प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े, उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक, प्रदेश सह–प्रभारी जगदीश पटेल, राष्ट्रीय महामंत्री स्मृति ईरानी, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह, भूपेंद्र चौधरी, महेंद्र पांडेय, सूर्य प्रताप शाही, डॉ. लक्ष्मीकांत वाजपेयी, विनय कटियार, मेधा कुलकर्णी, अनंत ओझा, प्रदीप वर्मा सहित कई प्रमुख नेता उपस्थित रहे। वंदे मातरम के पूर्ण सामूहिक गान के साथ बैठक प्रारंभ हुई। यूपी भाजपा की नई प्रदेश कार्यसमिति गठित होने के बाद यह पहली कार्यसमिति बैठक थी। अमित शाह ने कहा कि आज 30 अक्टूबर है और आज ही के दिन 1990 में सपा सरकार ने राम भक्तों पर अंधाधुंध गोलियां चलाकर नरसंहार किया था और कारसेवकों को मौत के घाट उतारकर, उनका संस्कार भी न करके सरयू में बहा दिया था। सपा ने जहां रामभक्तों का नरसंहार किया, वहीं भारतीय जनता पार्टी ने प्रभु श्रीराम का भव्य मंदिर बनाने का मार्ग प्रशस्त किया। अखिलेश यादव, उत्तर प्रदेश की जनता इसके लिए आपको माफ नहीं करेगी।केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि सबसे लंबे समय तक चुने हुए ।

विपक्ष अराजकता के जरिए सत्ता परिवर्तन का प्रयास कर रहा, लेकिन जनता उसे जवाब देगी- संबित पात्रा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं लोकसभा सांसद डॉ संबित पात्रा ने शनिवार को नई दिल्ली में मीडिया को संबोधित किया और कहा कि कांग्रेस और विपक्षी दल 1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में प्रस्तावित रैली को लेकर भ्रम फैला रहे हैं। उन्होंने राहुल गांधी के इस आरोप पर सबूत मांगे कि सरकार बाहर से आने वाले लोगों को रोक रही है।संबित पात्रा ने विपक्षी गठबंधन को परिवारवादी दलों का समूह बताते हुए सीटों के बंटवारे को लेकर विपक्षी दलों के बीच संभावित टकराव की बात कही। उन्होंने समाजवादी पार्टी द्वारा एमएलसी चुनाव में पांच सीटें जीतने का जश्न मनाने और छह



सीटों पर धांधली का आरोप लगाने के बीच विरोधाभास पर भी सवाल उठाए।संबित पात्रा ने कहा कि थोड़ी देर पहले राहुल गांधी और विपक्ष के कुछ नेताओं ने प्रेस वार्ता की थी। इस दौरान उन्होंने 1 नवंबर को रामलीला मैदान में होने वाली रैली को लेकर कुछ गलत बातें कहीं। राहुल गांधी ने मॉक पार्लियामेंट आयोजित नहीं कर पाने के विषय में भी अपनी बात रखी। वहीं, समाजवादी पार्टी ने एमएलसी चुनाव और विपक्षी एकता को लेकर भी अपनी बात रखी है। विपक्षी दलों के बीच एकता की कमी और संगठनात्मक कमजोरी का अभाव स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। संभवतः यही कारण रहा कि उन्हें अपनी मॉक पार्लियामेंट स्थगित करनी पड़ी और आज इसका आयोजन नहीं कर पाए। हालांकि, उन्होंने भविष्य में मॉक पार्लियामेंट आयोजित करने का ऐलान किया है। वैसे तो ये लोकतंत्र के साथ पहले से ही मॉक कर रहे हैं, लेकिन आज जिस मॉक पार्लियामेंट का आयोजन करना था, उसे अब भविष्य में करने की बात कह रहे हैं। यह स्पष्ट है कि विपक्षी दलों में संगठनात्मक स्तर पर आवश्यक व्यवस्था और समन्वय नहीं हो पा रहा है। यही कारण है कि आज राहुल गांधी ने गलत आरोप लगाए।राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा कि राहुल गांधी का आरोप है कि केंद्रीय गृह मंत्री दिल्ली के बाहर से आने वाले लोगों को रोक रहे हैं और सरकार उन्हें रामलीला मैदान तक पहुंचने नहीं दे रही है।

सीएम रेखा गुप्ता के खिलाफ शिकायत पर सुनवाई पूरी, छह नवंबर को आएगा कोर्ट का फैसला

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली की एक अदालत छह नवंबर को दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के खिलाफ दर्ज शिकायत मामले में आदेश सुना सकती है। इस शिकायत में रेखा गुप्ता के खिलाफप्राथमिकी दर्ज करने की मांग की गई है। उन पर दिल्ली सरकार के अधिकारियों की तुलना भगवान हनुमान से करने का आरोप है। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अश्विनी पंवार ने 29 अक्तूबर को अपना आदेश दिया था। शिकायतकर्ता ने दिल्ली पुलिस द्वारा सौंपी गई स्थिति रिपोर्ट के जवाब में अपना लिखित पक्ष पेश किया है। मजिस्ट्रेट ने दोनों पक्षों की विस्तृत दलीलें सुनीं। मामले को 6 नवंबर को आदेश के लिए सूचीबद्ध किया गया है। इससे पहले 3 अक्तूबर को, मजिस्ट्रेट ने कश्मीरी गेट पुलिस स्टेशन के एसएचओ से स्थिति रिपोर्ट मांगी थी। शिकायतकर्ता के अनुसार, रेखा गुप्ता ने 23 सितंबर, 2025 को ये टिप्पणियां की थीं। यह कश्मीरी गेट आईएसबीटी पर उत्तर प्रदेश के बड़ौत के लिए डीटीसी बस सेवा की शुरुआत के दौरान हुआ था। पुलिस ने 15 अक्तूबर को अपनी रिपोर्ट सौंपी थी। रिपोर्ट में कहा गया



कि प्राथमिकी दर्ज करने का कोई आधार नहीं है। इसमें कोई संज्ञेय अपराध नहीं बनता है। पुलिस रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि पूरा वीडियो देखने पर शिकायतकर्ता ने जानबूझकर वीडियो के कुछ हिस्सों को हटाया। इसका उद्देश्य संदर्भ को बदलना और तथ्यों को अलग तरह से पेश करना था। रिपोर्ट के अनुसार, उन वाक्यों या शब्दों से किसी देवता या भक्तों की धार्मिक आस्था का अपमान नहीं होता है। रिपोर्ट में कहा गया कि शिकायतकर्ता ने जानबूझकर रेखा गुप्ता द्वारा अधिकारियों के लिए कही गई तारीफ और सम्मान भरी बातों को हटा दिया। इसके बजाय मामले को एक अलग रंग और संदर्भ दिया गया।

अग्नि सुरक्षा मानक के प्रति लोगो को जागरूक करना नवागत एफएसओ गिरीश कुमार दुबे की प्राथमिकता

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।जिले में आग की घटनाओं पर प्रभावी रोकथाम, विभागीय सक्रियता और अग्नि सुरक्षा के प्रति जन जागरूकता बढ़ाना नवागत एफएसओ निरीक्षक गिरीश कुमार दुबे की प्राथमिकता रहेगी।उन्होंने कहा कि विभाग में तैनात सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ बेहतर तालमेल बनाकर शासन की मंशा के अनुरूप कार्य किया जाएगा।बताया कि अग्निशमन विभाग में उन्हें लंबे समय से कार्य करने का अनुभव है। इसी अनुभव का उपयोग करते हुए शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक होटल, रेस्टोरेंट और छोटे–बड़े व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के संचालकों को अग्नि सुरक्षा मानकों के प्रति जागरूक किया जाएगा।प्रतिष्ठानों में अग्निशमन यंत्रों की उपलब्ध ता और उनके समुचित उपयोग के लिए भी प्रोत्साहित किया जाएगा। उनका प्रयास रहेगा कि आग लगने की घटनाओं को समय रहते रोकने के साथ ही जन–धन के नुकसान को न्यूनतम किया जा सके।



सीएम शिवकुमार ने केंद्र को लिखा पत्र, गन्ना किसानों की पांच मांगों पर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कर्नाटक में गन्ना किसानों के आंदोलन के बीच मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी को पत्र लिखकर गन्ने की कीमत और चीनी–इथेनॉल नीति से जुड़ी पांच प्रमुख मांगों पर केंद्र से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। मुख्यमंत्री ने 14 अक्टूबर 2026 को कृषि भवन में हुई बैठक का जिक्र करते हुए कहा कि बैठक में राज्य की ओर से सहकारिता मंत्री लक्ष्मण सवदी, कृषि मंत्री नरेंद्र स्वामी और गन्ना मंत्री रुद्रप्पा लमानी ने हिस्सा लिया था। किसानों और राज्य सरकार ने मिलकर जो मांगें रखीं, वे सभी गन्ना मूल्य निर्धारण से जुड़ी हैं और गन्ना नियंत्रण आदेश 1966 और चीनी नियंत्रण आदेश 2025 के तहत केंद्र के अधिकार क्षेत्र में आती हैं। किसानों



की पांच प्रमुख मांगे हैं। पहला, स्वामीनाथन आयोग के सी2प्लस50 प्रतिशत फॉर्मूले पर गन्ना मूल्य तय हो। किसान 10.25 प्रतिशत रिकवरी पर मौजूदा 3650 रुपये प्रति टन एफआरपी के मुकाबले 5500 रुपए प्रति टन की मांग कर रहे हैं। दूसरा, एफआरपी बेस रिकवरी को 9.5 प्रतिशत पर बहाल किया जाए। 8.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 10.25 प्रतिशत करने से कम रिकवरी वाले क्षेत्रों के किसानों का बेस प्राइस घट गया है। राज्य ने 16 जनवरी 2026 को 9.5 प्रतिशत पर 4440 रुपए प्रति टन की सिफारिश की थी। तीसरा, चीनी का न्यूनतम बिक्री मूल्य बढ़ाया जाए। यह 14 फरवरी 2019 से 31 रुपए किलो पर स्थिर है, जबकि राज्य ने 9 अगस्त 2024 को 41.50 रुपए किलो की सिफारिश की थी। चौथा, गन्ना आध ारित डिस्टिलरी के लिए इथेनॉल आवंटन में कर्नाटक को उचित हिस्सा मिले। राज्य को ईएसवाई 2025–26 में सिर्फ 117 करोड़ लीटर मिला, जबकि क्षमता 225 करोड़ लीटर है। राज्य ने इथेनॉल के लिए 73, 67 और 61 रुपये प्रति लीटर की दर की सिफारिश की थी। पांचवा, डॉ. रंगराजन राजस्व–साझाकरण फॉर्मूले में संशोधन हो ताकि इथेनॉल से होने वाली आय भी किसानों के साथ साझा हो। मुख्यमंत्री ने पत्र में बताया कि राज्य ने किसानों का भरोसा जीतने के लिए कई कदम उठाए हैं। रिकवरी जांच के लिए कृषि वैज्ञानिकों की टीमें हर महीने दो बार किसान नेताओं की मौजूदगी में मिलों का निरीक्षण कर रही हैं।

संपादकीय

ट्रंप के मंसूबे पर पानी फिर गया

लूला की जीत से लैटिन अमेरिका में श्डोनरो डॉक्ट्राइन्च लागू करने के अमेरिकी राष्ट्रपति के मंसूबे पर पानी फिर गया है। आरोप है कि लूला को हराने में ट्रंप समर्थकों ने पूरा जोर लगा रखा था। ब्राजील में तमाम चुनाव–पूर्व अनुमानों को धता बताते हुए लुइज इनासियो लुला दा सिल्वा का फिर से राष्ट्रपति चुन लिया जाना दूरगामी वैश्विक महत्त्व की घटना है। तीन हफ्ते पहले प्रथम चरण के चुनाव में लूला धुर– दक्षिणपंथी उम्मीदवार फ्लावियो बोल्सोनारो से दो प्रतिशत वोट से पिछड़ गए थे। उसी रोज हुए संसदीय एवं प्रांतीय चुनावों में भी धुर–दक्षिणपंथी समूह को बड़ी जीत मिली थी। उसके मद्देनजर दूसरे चरण में लूला की जीत की संभावनाएं धूमिल थीं। लेकिन तीन हफ्तों में असाधारण चुनाव अभियान चला कर 80 वर्षीय लूला ने श्रमिक, मूलवासी, और प्रगतिशील तबकों की अभूतपूर्ण गोलबंदी की। उसका परिणाम उनकी जीत है, जिससे पूरे लैटिन अमेरिका में श्डोनरो डॉक्ट्राइन्च लागू करने के अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के मंसूबे पर पानी फिर गया है। ट्रंप प्रशासन ने अपनी श्सुरक्षा नीत्यि में लैटिन अमेरिका में अमेरिकी वर्चस्व को चुनौती–विहीन बनाने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। इसमें उसे काफी सफलता मिली है। वहां एक के बाद दूसरे देश में ट्रंपवादी धुर–दक्षिणपंथी सरकारें हाल में सत्ता में आई हैं। अपवाद सिर्फ ब्राजील और मेक्सिको हैं। इसीलिए ब्राजील का चुनाव बेहद अहम हो गया था। गुजरे हफ्तों में ऐसी खबरें आईं कि पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो के बेटे फ्लेवियो के समर्थन में अमेरिका की बड़ी तकनीक कंपनियों ने अपनी पूरी ताकत लगाई है। खासकर मेटा के विभिन्न प्लेटफॉर्म्स पर बोल्सोनारो समर्थक सामग्रियों को खूब प्रसारित करने और लूला समर्थक सामग्रियों को प्रतिबंधित करने के आरोप लगे। ब्राजील का अभिजात्य वर्ग भी बोल्सोनारो के पक्ष में लामबंद था। चुनाव के दिन इल्जाम लगे कि कई राज्यों के दक्षिणपंथी नेताओं ने जानबूझ कर परिवहन सेवाओं में कटौती की। इतनी कि ऐन वक्त पर अदालत को मतदान का समय दो घंटे बढ़ाने का निर्णय देना पड़ा। यानी प्रतिकूल परिस्थितियों में लूला की संघर्ष भावना की जीत हुई है। इससे ब्रिक्स राहत की सांस लेगा। अंदेशा था कि बोल्सोनारो जीतते, तो विकासशील देशों के इस संगठन को कमजोर करने के ट्रंप के एजेंडे को आगे बढ़ाते। साथ ही लूला की जीत से उदारपंथी समूह उत्साहित होंगे, जो दुनिया भर में इस समय धुर–दक्षिणपंथ के आक्रामक तेवर के निशाने पर हैं।

पाकिस्तान के खिलाफ राजनाथ सिंह के तेवर देख बगलें झांकने लगा अमेरिका



नीरज

राजनाथ सिंह की रक्षा कूटनीति ने अमेरिका के सामने भारत की सुरक्षा चिंताओं को जिस दृढ़ता और दोटूक अंदाज में रखा है, उसने पाकिस्तान को सैन्य सहायता देने के मुद्दे पर वाशिंगटन को भी असहज स्थिति में ला खड़ा किया। एफ–16 लड़ाकू विमानों के लिए अमेरिकी सहायता पैकेज पर भारत की कड़ी आपत्ति और पाकिस्तान को दी जाने वाली संवेदनशील तकनीक के तीसरे देश तक पहुंचने की आशंका उठाकर राजनाथ सिंह ने स्पष्ट कर दिया कि भारत अब अपनी सुरक्षा के सवाल पर किसी भी तरह की ढिलाई बर्दाश्त करने को तैयार नहीं है। आतंकवाद पर दोहरे मापदंडों के खिलाफ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का सख्त संदेश इस बात का संकेत है कि भारत–अमेरिका की रणनीतिक साझेदारी अपनी जगह है, लेकिन पाकिस्तान के मामले में भारत अपने हितों से समझौता नहीं करेगा। देखा जाये तो रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक बार फिर साबित किया है कि बदलते वैश्विक शक्ति–संतुलन में भारत की रक्षा कूटनीति केवल बैठकों और औपचारिक बयानों तक सीमित नहीं है। यह राष्ट्रीय सुरक्षा के हितों की स्पष्ट पैरवी करने, मित्र देशों के साथ रणनीतिक साझेदारी मजबूत करने और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए भारत की शर्तों को प्रभावी ढंग से सामने रखने का माध्यम भी है। हम आपको बता दें कि फिलीपींस के सेबू में आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक के दौरान राजनाथ सिंह ने अमेरिका के सामने पाकिस्तान को एफ–16 लड़ाकू विमानों के लिए सहायता पैकेज देने का मुद्दा उठाया। इसके साथ ही जापान और ऑस्ट्रेलिया के रक्षा मंत्रियों के साथ उनकी मुलाकातों ने हिंद–प्रशांत क्षेत्र में भारत की बढ़ती रणनीतिक सक्रियता का एक महत्वपूर्ण संदेश दिया। राजनाथ सिंह ने भारत का पक्ष इतनी स्पष्टता से रखा कि वाशिंगटन के लिए पाकिस्तान को दी जाने वाली सैन्य सहायता के दुष्परिणामों पर जवाब देना और इस्लामाबाद का बचाव करना मुश्किल हो गया। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ के साथ बातचीत में राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान के एफ–16 कार्यक्रम से जुड़े सहायता पैकेज पर भारत की गंभीर चिंता व्यक्त की। हम आपको बता दें कि अमेरिका का 64.9 करोड़ डॉलर का यह पैकेज पाकिस्तान के लड़ाकू विमानों की परिचालन क्षमता और रखरखाव को मजबूत करने से जुड़ा है। इसमें एवियोनिक्स सुधार, तकनीकी उपकरण, स्पेयर पार्ट्स, प्रशिक्षण, सिमुलेटर और लॉजिस्टिक सहायता जैसी व्यवस्थाएं शामिल हैं। भारत की आपत्ति का मूल प्रश्न यही है कि पाकिस्तान को मिलने वाली ऐसी सैन्य सहायता का वास्तविक इस्तेमाल किस उद्देश्य से होगा और इसका दक्षिण एशिया की सुरक्षा पर क्या प्रभाव पड़ सकता है। भारत लंबे समय से सीमा पार आतंकवाद का मुद्दा उठाता रहा है। ऐसे में पाकिस्तान की सैन्य क्षमताओं को मजबूत करने वाले किसी भी कदम को नई दिल्ली क्षेत्रीय सुरक्षा के व्यापक संदर्भ में देखती है। राजनाथ सिंह ने अमेरिकी पक्ष को इस बात के लिए भी आगाह किया कि पाकिस्तान को दी जाने वाली संवेदनशील सैन्य तकनीक किसी तीसरे देश तक पहुंच सकती है। देखा जाये तो यह चिंता केवल भारत–पाकिस्तान संबंधों तक सीमित नहीं है, बल्कि तकनीकी सुरक्षा, हथियारों के प्रसार और व्यापक क्षेत्रीय सामरिक संतुलन से भी जुड़ी है। राजनाथ सिंह की कूटनीतिक पहल का महत्व इस बात में है कि भारत ने अपनी सुरक्षा संबंधी चिंताओं को सीधे अमेरिकी नेतृत्व के सामने स्पष्टता और दृढ़ता के साथ रखा है। भारत ने यह संदेश दिया है कि रणनीतिक साझेदारी अपनी जगह है, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर वह चुप्पी नहीं साधेगा। राजनाथ सिंह ने अपने अमेरिकी समकक्ष के साथ बातचीत के दौरान आतंकवाद के खिलाफ शून्य–सहिष्णुता की नीति पर जोर दिया। उनका संदेश स्पष्ट था कि आतंकवादी संगठनों को समर्थन, प्रशिक्षण या वित्तीय सहायता देने वाले देशों के प्रति अंतरराष्ट्रीय समुदाय का रवैया सुसंगत और कठोर होना चाहिए। अमेरिकी रक्षा मंत्री ने भी सीमा पार आतंकवाद से मुकाबले में भारत के प्रति समर्थन दोहराया। यह भारत के लिए महत्वपूर्ण कूटनीतिक आधार है, क्योंकि आतंकवाद के विरुद्ध सहयोग तभी प्रभावी हो सकता है जब सुरक्षा संबंधी चिंताओं को केवल बयानों में नहीं, बल्कि व्यावहारिक नीतियों में भी जगह मिले। इसके अलावा, भारत–अमेरिका रक्षा साझेदारी के दस वर्षीय ढांचे की समीक्षा, सैन्य आदान–प्रदान, समुद्री सुरक्षा और रक्षा आपूर्ति शृंखलाओं पर चर्चा से यह भी स्पष्ट होता है कि दोनों देश अपने सहयोग को व्यापक रणनीतिक दिशा देना चाहते हैं। भारत का प्रयास है कि अमेरिका के साथ साझेदारी मजबूत बनी रहे, लेकिन उसके साथ ही पाकिस्तान को सैन्य सहायता देने जैसे मुद्दों पर भारतीय चिंताओं को नजरअंदाज न किया जाए। साथ ही राजनाथ सिंह की कूटनीति का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ उनकी बातचीत है। जापान के रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी के साथ चर्चा में समुद्री सुरक्षा, नौसैनिक जहाज निर्माण, डिजाइन और माइन काउंटरमेजर्स क्षमताओं में सहयोग जैसे मुद्दे शामिल रहे। जापान की तकनीकी विशेषज्ञता और भारत की विनिर्माण क्षमता को जोड़ने की संभावनाएं रक्षा औद्योगिक सहयोग को नई दिशा दे सकती हैं। जापान के साथ वायुसेना सहयोग बढ़ाने और रक्षा उद्योग से जुड़ी कंपनियों के बीच संपर्क मजबूत करने पर भी जोर दिया गया। यह सहयोग केवल सैन्य अभ्यासों तक सीमित नहीं हैय इसका उद्देश्य दीर्घकाल में रक्षा क्षमताओं, तकनीकी सहयोग और औद्योगिक साझेदारी को मजबूत करना भी है। ऑस्ट्रेलिया के उपप्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्ल्स के साथ बैठक में दोनों देशों ने रक्षा सहयोग की समीक्षा की और आपसी समन्वय बढ़ाने पर चर्चा की। राजनाथ सिंह ने उन्हें फरवरी 2027 में बेंगलुरु में प्रस्तावित एयरो इंडिया में शामिल होने का निमंत्रण भी दिया। इसी बीच राजनाथ सिंह की जापानी और ऑस्ट्रेलियाई समकक्षों के साथ तस्वीर तथा उनका संदेश, 'श्र।ष्रू श्रंचंद, ।नेजतंसपं, प्दकपं', विशेष राजनीतिक और रणनीतिक महत्व रखता है। यह तीनों देशों के बीच सहयोग, विश्वास और हिंद–प्रशांत क्षेत्र में साझा हितों का प्रतीक है। एक स्वतंत्र, खुला और सुरक्षित हिंद–प्रशांत भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया की साझेदारी का प्रमुख आधार बना हुआ है। इन बैठकों को एक साथ देखने पर राजनाथ सिंह की रक्षा कूटनीति के दो महत्वपूर्ण आयाम सामने आते हैं। एक तो अमेरिका जैसे प्रमुख रणनीतिक साझेदार के सामने पाकिस्तान को सैन्य सहायता देने के दुष्परिणामों पर स्पष्ट आपत्ति दर्ज कराना। दूसरा, जापान और ऑस्ट्रेलिया जैसे विश्वसनीय साझेदारों के साथ रक्षा, तकनीक, समुद्री सुरक्षा और औद्योगिक सहयोग को आगे बढ़ाना। यही सक्रिय रक्षा कूटनीति की विशेषता है। भारत किसी एक देश के साथ संबंधों पर निर्भर रहने के बजाय कई स्तरों पर साझेदारियां मजबूत कर रहा है। वह अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हुए क्षेत्रीय सहयोग का दायरा भी बढ़ाना चाहता है। बहरहाल, पाकिस्तान को एफ–16 सहायता पर अमेरिकी मंत्री के सामने दोटूक आपत्ति और जापान–ऑस्ट्रेलिया के साथ 'श्र।ए का संदेश, ये दोनों घटनाक्रम मिलकर भारत की उस रक्षा नीति को रेखांकित करते हैं।

विज्ञान को विकसित भारत की आकांक्षाओं से जोड़ना

डॉ. जितेंद्र सिंह

समाज में परिवर्तन लाने का सबसे महत्वपूर्ण आधार मुख्य रूप से विज्ञान से ही आएगा। 28 फरवरी 2006 को भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में ये शब्द कहे थे। लगभग दो दशक बाद डॉ. कलाम के ये शब्द पूरी तरह सही साबित हो रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत तकनीक आधारित विकास को गति देते हुए श्विकसित भारतत्य की दिशा में आगे बढ़ रहा है। भारत की इस प्रगति पर पूरी दुनिया का ध्यान गया है और उसने इसे स्वीकार भी किया है। विज्ञान का महत्व केवल इस बात में नहीं है कि हम क्या खोजते हैं, बल्कि इस बात में भी है कि हमारी खोजें देश के लोगों के लिए क्या–क्या संभव बनाती हैं। वैज्ञानिक प्रगति का वास्तविक मूल्य लोगों के जीवन को बेहतर बनाने, समस्याओं का समाधान करने और नए अवसर पैदा करने की उसकी क्षमता में निहित है। भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। एक विकसित राष्ट्र बनने की आकांक्षाएं केवल आर्थिक विकास और आधुनिक बुनियादी ढांचे तक सीमित नहीं हैं। इनमें बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, अधिक उत्पादक कृषि, मजबूत उद्योग, युवाओं के लिए अधिक अवसर और प्रत्येक नागरिक के जीवन स्तर में सुधार भी शामिल हैं। इन सभी आकांक्षाओं को पूरा करने में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की महत्वपूर्ण भूमिका है। हमारा दायित्व यह सुनिश्चित करना है कि हम जो ज्ञान विकसित करें, वह सार्थक बदलाव लाने का माध्यम बने। यही उभरते विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार सम्मेलन (ईएसटीआईसी) 2026 का व्यापक उद्देश्य है। अपने दूसरे संस्करण में ईएसटीआईसी वर्ष 2025 में शुरू हुए राष्ट्रीय संवाद को आगे बढ़ा रहा है। इसका उद्देश्य वैज्ञानिक अनुसंधान, तकनीकी नवाचार और उनके व्यावहारिक उपयोग के बीच संबंधों को और मजबूत करना है। यह सम्मेलन वैज्ञानिकों, नीति निर्माताओं, उद्योग जगत के अग्रणी लोगों, स्टार्टअप से जुड़े उद्यमियों और युवा शोधकर्ताओं को एक साझा राष्ट्रीय लक्ष्य के लिए एक मंच पर लाता है। हमारे सामने कुछ सबसे महत्वपूर्ण सवाल ऐसे हैं, जिनका समाधान तत्काल आवश्यक है। वैज्ञानिक प्रगति किसानों की उत्पादकता बढ़ाने में किस तरह मदद कर सकती है? अनुसंधान के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ और प्रभावी कैसे बनाया जा सकता है? भारतीय उद्योग उन्नत प्रौद्योगिकियां कैसे विकसित कर सकते हैं, वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा कैसे कर सकते हैं और महत्वपूर्ण वस्तुओं के आयात पर निर्भरता कैसे कम कर सकते हैं? अनुसंधान, नवाचार और उद्यमिता के माध्यम से युवाओं के लिए नए अवसर कैसे पैदा किए जा सकते हैं? इन सवालों का जवाब कोई एक संस्थान या विषय अपने दम पर नहीं दे सकता। इसके लिए वैज्ञानिकों को उद्योग जगत के साथ मिलकर काम करना होगा, शोधकर्ताओं को व्यावहारिक जरूरतों को समझना होगा और नीति निर्माताओं को ऐसा वातावरण तैयार करना होगा, जिसमें संभावनाओं से भरे विचारों को परखा और विकसित किया जा सके। ईएसटीआईसी 2026 इस आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए 12 विषयगत क्षेत्रों पर केंद्रित है। इनमें उन्नत विनिर्माण, ऊर्जा प्रौद्योगिकी, जैव प्रौद्योगिकी, महासागर विज्ञान एवं समुद्री प्रौद्योगिकी, क्वांटम संचार, सेमीकंडक्टर, कृषि प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स, उन्नत स्वास्थ्य सेवा, इमर्सिव प्रौद्योगिकी और अंतरिक्ष विज्ञान शामिल हैं। इनमें से प्रत्येक क्षेत्र में ऐसी संभावनाएं हैं, जिनका दायरा प्रयोगशालाओं से कहीं आगे तक फैला हुआ है। सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में प्रगति भारत की तकनीकी क्षमताओं को मजबूत कर सकती है। जैव प्रौद्योगिकी में अनुसंधान स्वास्थ्य सेवाओं और विनिर्माण के क्षेत्र में नए रास्ते खोल सकता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और रोबोटिक्स में होने वाले विकास औद्योगिक प्रक्रियाओं को बदल सकते हैं, जबकि कृषि और ऊर्जा के क्षेत्र में वैज्ञानिक कार्य अधिक कुशल एवं टिकाऊ कार्यप्रणालियों को बढ़ावा दे सकते हैं। सबसे बड़ी चुनौती इन संभावनाओं को व्यावहारिक उपयोग में बदलने की है। किसी वैज्ञानिक खोज में वर्षों का अनुसंधान लग सकता है, लेकिन उसे रोजमर्रा के उपयोग में लाने के लिए अक्सर आगे के परीक्षण, निवेश, इंजीनियरिंग और आपसी सहयोग की जरूरत होती है। हमें इस पूरी प्रक्रिया को मजबूत करना होगा, ताकि अनुसंधान से जुड़े शुरुआती सवाल से लेकर ऐसी तकनीक विकसित करने तक का सफर पूरा हो सके, जो वास्तविक लाभ पहुंचाए। भारत की वैज्ञानिक महत्वाकांक्षाएं अंततरू उसके युवाओं की प्रतिभा और कल्पनाशीलता पर निर्भर करेंगी। किसी युवा शोधकर्ता के पास कोई संभावनाशील विचार है, तो उसे उसे प्रस्तुत करने, अनुभवी वैज्ञानिकों से सीखने और ऐसे लोगों से जुड़ने का अवसर मिलना चाहिए, जो उस विचार को उपयोगी रूप देने में मदद कर सकें। ईएसटीआईसी 2026 श्फ्रंटियर्स इन फोकस्य सत्रों और श्यंग रिसर्चर्स एंड इनोवेटर्स पिच कॉर्नर्य्य के माध्यम से इस प्रक्रिया को प्रोत्साहित करने का प्रयास करता है।

जब मुस्लिम– यहूदी ने मिलकर बनाया इजरायल, 1948 के युद्ध की अनस

अभिनय

अर्थात हे भारत, जब–जब धर्म की हानि होती है और अधर्म में वृद्धि होती है, तब–तब मैं धर्म की स्थापना के लिए स्वयं को प्रकट करता हूँ। विश्व इतिहास में महाभारत के युद्ध को धर्मयुद्ध कहा गया। लेकिन महाभारत के लिए जो युद्ध लड़ा गया था वो किसी धर्म या संप्रदाय के लिए नहीं बल्कि सत्य और न्याय की समाज में स्थापना के लिए लड़ा गया था। इसका उद्देश्य किसी नए ध र्म की स्थापना करके दूसरे धर्मों का क्रूर दमन करना नहीं था और न ही उनके धार्मिक स्थलों को नष्ट करना था। दुनिया के सभी धर्मों को दो हिस्सों में अब्राहिम रिलीजन और इंडियन रिलीजन में बांटा गया है। अब्राहिम रिलीजन में ईसाई, यहूदी और मुसलमान आते हैं तो वहीं इंडियन रिलीजन में बुद्धिस्ट, हिंदू और सिख जैसे बहुत सारे धर्म शामिल हैं, जिनकी जड़े हमारे भारत देश से मिलती हैं। यानी इनकी स्थापना और शुरुआत भारत देश से ही कि गई थी। ईसाई धर्म जब अपनी ठीक ठाक जगह यूरोप में बना चुका था। उस वक्त ईसाई जब अपने धर्म का विस्तार कर रहे थे, तो उनका नारा सिर्फ और सिर्फ समाज में मोहब्बत बांटने का था। जीसस क्राइस्ट शोअर्ड अस, हाऊ टू लव अदर्स यानी जीसस ने हमें बताया है कि लोगों से कैसे मोहब्बत की जाए। लेकिन सवाल ये था कि जिनकी जुबान पर जीसस के नाम पर मोहब्बत बांटने वाले गीत थे, उन्होंने क्रूसेड का रास्ता क्यों चुना? लोगों को नफरत छोड़कर प्यार बांटने के गीत गाने वालों ने पूरे यूरोप में तबाही क्यों मचाई और वो भी दूसरे धर्म वालों का नरसंहार करके। इसी को द क्रूसिड के नाम से जाना जाता है। बाइबल में कहा गया है कि यह भूमि यहूदियों के लिए है, और पवित्र धर्मग्रंथों से असहमति नहीं जताई जानी चाहिए। मैं और मेरे लोग यहूदी राज्य के वफादार नागरिकों के रूप में शांति से रहना चाहते हैं, यह बात गैलिली (उत्तरी इजराइल) के मुस्लिम बदू अल–हैब जनजाति के प्रमुख शेख हुसैन इस्माइल अबू यूसुफ ने 1948 की शुरुआत में यिगल एलोन से कही थी। एलोन ब्रिटिश–शासित फिलिस्तीन में यहूदियों के विशिष्ट सैन्य बल पलमाच के कमांडर थे। मई 1948 में इजराइल द्वारा स्वतंत्रता की घोषणा करने से कुछ महीने पहले, अबू यूसुफ ने यहूदी बलों के साथ गठबंधन की मांग की थी। इसके बाद उनकी जनजाति के लगभग 70 युवकों को यहूदी सेना के साथ मिलकर लड़ने के लिए प्रशिक्षित किया गया। एक ऐसे समय में जब यहूदी सेनाएँ फिलिस्तीनी अरब समूहों से लड़ रही थीं और इजराइल का अस्तित्व में आना बाकी था, एक मुस्लिम अरब प्रमुख की ओर से यह एक असाध ारण घोषणा थी। जब अबू यूसुफ ने यह निर्णय लिया, तब फिलिस्तीन पर ब्रिटिश शासन अपने अंत के करीब था, और यहूदी व फिलिस्तीनी अरब सेनाएँ उस क्षेत्र के भविष्य को लेकर आपस में लड़ रही थीं। जहाँ अधिकांश अरब दुनिया एक यहूदी राष्ट्र के निर्माण का विरोध कर रही थी, वहीं इस क्षेत्र में कुछ ऐसे मुस्लिम बदू कबीले भी थे जिन्होंने यहूदियों का समर्थन करने का फैसला किया। यूसुफ के नेतृत्व वाली अल–हैब जनजाति भी उन्हीं में से एक थी। इस कबीले के सदस्यों ने खुफिया जानकारी दी, यहूदी लड़ाकों की मदद की और एक ऐसी सैन्य इकाई में शामिल हुए जिसने उस युद्ध में हिस्सा लिया, जिसके परिणामस्वरूप इजराइल की स्थापना हुई। हालाँकि यह कहानी मध्य पूर्व में यहूदी–अरब प्रतिद्वंद्विता के बारे में आज की ध ारणा को चुनौती देती है, लेकिन यह यह भी दिखाती है कि किस तरह संघर्ष और विजय ने यहूदियों और अरबों को, और यहाँ तक कि अरब समुदायों को भी आपस में बाँट दिया। इजराइल के गठन के लगभग आठ दशक बाद, यहूदियों और अरबों के बीच के संबंध वहां की राजनीति के केंद्र में आ गए हैं। 27 अक्टूबर के चुनाव के नतीजों के अनुमान के मुताबिक, इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के गुट को 53 सीटें और उनके प्रतिद्वंद्वी गादी आइसेनकोट के गुट को 48 सीटें मिल सकती हैं। 120 सदस्यों वाली श्नेसेटश (इजराइली संसद) में बहुमत के लिए 61 सीटों की जरूरत होती है, जो दोनों गुटों के पास नहीं हैं। अरब पार्टियों ने रिकॉर्ड 19 सीटें जीतने का अनुमान लगाया है और वे श्किंगमेकरश की भूमिका में आ सकती हैं। यह स्थिति तब है जब यहूदी नेतृत्व वाले कई विपक्षी दल, इजराइल की दो अरब पार्टियों के समर्थन पर निर्भर रहने से कतराते रहे हैं। इस गतिरोध और इजराइली अरब मतदाताओं की संख्या बढ़ाने के लिए विदेशी फंडिंग मिलने के आरोपों ने, इजराइल में यहूदी–अरब संबंधों को चर्चा के केंद्र में ला दिया है। ऐसे में, मुस्लिम बेदुइन लोगों की कहानी आज और भी महत्वपूर्ण हो जाती है, जिसे याद करना प्रासंगिक है। 20वीं सदी की शुरुआत में फिलिस्तीन में यहूदियों के लिए एक अलग देश की



मांग जोर पकड़ने लगी थी। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान श्होलोकॉस्टश (यहूदियों के नरसंहार) के बाद यह मांग और भी प्रबल हो गई। इस नरसंहार में एडोल्फ हिटलर के नाजी जर्मनी और उसके सहयोगियों ने लगभग 60 लाख यहूदियों की हत्या कर दी थी। इस नरसंहार और बचे हुए यहूदियों की दयनीय स्थिति ने एक यहूदी राष्ट्र की स्थापना के लिए अंतरराष्ट्रीय समर्थन को और बढ़ा दिया। 29 नवंबर 1947 को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने एक प्रस्ताव पारित किया, जिसमें ब्रिटिश शासन वाले फिलिस्तीन को बांटकर एक यहूदी और एक अरब देश बनाने का सुझाव दिया गया था। दिलचस्प बात यह है कि भारत उन 13 देशों में शामिल था, जिन्होंने संयुक्त राष्ट्र की इस विभाजन योजना के खिलाफ वोट दिया था। यहूदी नेतृत्व ने विभाजन योजना को स्वीकार कर लिया, लेकिन फिलिस्तीनी अरब नेताओं और पड़ोसी अरब देशों ने इसे अस्वीकार कर दिया। उस समय फिलिस्तीन ब्रिटिश शासन के अधीन था, और आप्रवासन, भूमि और क्षेत्र पर प्रतिस्पर्धी दावों को लेकर यहूदी और अरब समुदायों के बीच तनाव बढ़ रहा था। यहूदी समूह एक राष्ट्रीय मातृभूमि स्थापित करना चाहते थे, जबकि फिलिस्तीनी अरब यहूदी मांगों का विरोध कर रहे थे और अपनी भूमि पर नियंत्रण खोने से भयभीत थे। संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव के बाद, हगानाह सहित यहूदी सैन्य संगठनों और स्थानीय मिलिशिया और लड़ाकों सहित फिलिस्तीनी अरब सशस्त्र समूहों के बीच लड़ाई छिड़ गई।

केरल की वृद्ध संरक्षण पहल से जगेगी नई चेतना

ललित

भारत की संस्कृति में माता–पिता को देवतुल्य माना गया है। यहाँ कहा गया है–'मातृदेवो भव, पितृदेवो भव।' जिस देश में माता–पिता के चरणों में स्वर्ग देखने की परंपरा रही हो, उसी देश में यदि वृद्धावस्था में माता–पिता अपने ही घर में उपेक्षा, अपमान, अकेलेपन और असुरक्षा का दंश झेलने को विवश हों, तो यह केवल पारिवारिक विघटन नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक चेतना के सामने खड़ा एक गंभीर प्रश्न है। जिस बुजुर्ग ने अपनी संतान के भविष्य के लिए वर्तमान को खपा दिया, यदि उसी संतान के पास उसके बुढ़ापे के लिए समय, संवेदना और स्नेह न बचे, तो विकास की चमक के बीच मानवीय मूल्यों का अंधेरा साफ दिखाई देता है। ऐसे समय में केरल विधानसभा द्वारा अक्टूबर 2026 में वरिष्ठ नागरिकों के संरक्षण से संबंधित व्यापक विधेयक पारित किया जाना एक आशाजनक पहल है। यह कानून की किताब में जुड़ा एक नया अध्याय भर नहीं, बल्कि बुजुर्गों के जीवन में सम्मान, सुरक्षा और भरोसे का नया सूर्योदय बनने की क्षमता रखता है। भारत में 60 वर्ष और उससे अधिक आयु के नागरिकों की संख्या लगभग 15 करोड़ बताई जा रही है। अनुमान है कि यह आबादी 2036 तक लगभग 23 करोड़ और 2050 तक 34 करोड़ से अधिक हो सकती है। यह बदलती जनसांख्यिकी हमें चेतावनी भी देती है और अवसर भी। चिकित्सा विज्ञान की प्रगति तथा बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं ने मनुष्य की आयु बढ़ाई है, लेकिन प्रश्न यह है कि क्या हमने जीवन की बढ़ती अवधि को गरिमापूर्ण बनाने की तैयारी भी की है? सिर्फ लंबी उम्र उपलब्धि नहीं है, उस उम्र में सम्मान, आत्मनिर्भरता और अपनापन बनाए रखना ही वास्तविक उपलब्धि है। केरल की इस पहल का महत्त्व इसलिए बढ़ जाता है कि यह बुजुर्गों की समस्याओं को केवल परिवार की निजी जिम्मेदारी मानकर छोड़ देने के बजाय सामाजिक और संस्थागत दायित्व के रूप में देखती है। विधेयक में वरिष्ठ नागरिकों के साथ शारीरिक एवं मानसिक दुर्व्यवहार, क्रूरता और उनकी इच्छा के विरुद्ध उन्हें बेसहारा छोड़ने जैसे कृत्यों के लिए दंड का प्रावधान किया गया है। इसके साथ संरक्षण इकाइयों, देखभाल केंद्रों के नियमन, देखभालकर्ताओं के प्रशिक्षण और शिकायतों के निवारण जैसी व्यवस्थाओं पर जोर दिया गया है। साइबर ध ोखाधड़ी से बचाव तथा बुजुर्गों के स्वास्थ्य संबंधी निर्णयों के अधिकार जैसे विषयों को स्थान देना भी बदलते समय की जरूरतों को समझने का संकेत है। इस पहल का मूल संदेश स्पष्ट है–बुजुर्गों की सेवा सद्भावना का विषय अवश्य है, लेकिन उनकी सुरक्षा और गरिमा सुनिश्चित करना सामाजिक व्यवस्था का अनिवार्य दायित्व भी है। इस विधेयक की सबसे संवेदनशील अवधारणा है–'एजिंग इन प्लेस', अर्थात बुजुर्गों को यथासंभव उनके अपने घर और परिचित परिवेश में सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अवसर देना। वृद्धाश्रमों की आवश्यकता से इनकार नहीं किया जा सकता, लेकिन माता–पिता के लिए घर का एक कमरा भी तब अधिक मूल्यवान होता है, जब उसमें अपनत्व की गर्माहट हो। बुजुर्गों को केवल भोजन, दवा और बिस्तर नहीं चाहिए, उन्हें बातचीत करने वाला साथी, उनकी बात सुनने वाला कान, उनके अनुभवों को समझने वाला मन और उनके अस्तित्व को स्वीकार करने वाला परिवार चाहिए। उम्र के इस पड़ाव पर कई बार आर्थिक अभाव से अधिक भावनात्मक अभाव पीड़ा देता है। जिस घर में बुजुर्गों की आवाज अनसुनी हो जाती है, वहाँ दीवारें तो रहती हैं, लेकिन परिवार की आत्मा कमजोर पड़ने लगती है। आज संयुक्त परिवारों का विघटन, महानगरों की भागदौड़, विदेशों की ओर पलायन और बढ़ती व्यक्तिवादी प्रवृत्ति ने बुजुर्गों के जीवन को कठिन बनाया है। कभी दादा–दादी और नाना–नानी परिवार की जीवंत पाठशाला होते थे, उनकी कहानियों में इतिहास, अनुभवों में विवेक और आशीर्वाद में जीवन की पूँजी मिलती थी। आज उसी अनुभव–संपदा को कई बार अनुपयोगी समझ लिया जाता है। संपत्ति के लिए माता–पिता पर दबाव डालना, उनकी जमा–पूँजी पर अनुचित अधिकार जमाना, बीमारी में उन्हें अकेला छोड़ देना अथवा उनकी भावनाओं को ठेस पहुँचाना सभ्य समाज के माथे पर कलंक है। यह कैसी विडंबना है कि जिन हाथों ने बच्चों को चलना सिखाया, उन्हीं हाथों को बुढ़ापे में सहारे के लिए तरसना पड़े! केरल का विधेयक इस समस्या के समाधान की दिशा में व्यापक दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। इसमें वरिष्ठ नागरिकों के साथ दुर्व्यवहार और उन्हें बेसहारा छोड़ने पर तीन वर्ष तक के कारावास तथा 50 हजार रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है। देखभाल केंद्रों के पंजीकरण, देखभालकर्ताओं के प्रशिक्षण, शिकायतों के निवारण और साइबर धोखाधड़ी से सुरक्षा जैसी व्यवस्थाएँ भी प्रस्तावित हैं। साथ ही, वरिष्ठ नागरिकों के चिकित्सा संबंधी पूर्वनिर्धारित निर्णयों, कानूनी सहायता और डिजिटल सेवाओं तक पहुँच को महत्त्व दिया गया है। उल्लेखनीय है कि विधानसभा ने यह विधेयक 26 अक्टूबर 2026 को सर्वसम्मति से पारित किया है, इसे कानून के रूप में लागू होने के लिए राज्यपाल की स्वीकृति की प्रक्रिया पूरी करनी होगी। इस पहल का एक दूरदर्शी पक्ष 'सिल्वर इकोनॉमी' की अवधारणा भी है। बुजुर्गों को केवल सहायता प्राप्त करने वाले नागरिकों के रूप में नहीं, बल्कि समाज के सक्रिय योगदानकर्ता के रूप में देखा जाना चाहिए। उनके अनुभव, ज्ञान, कौशल और जीवन–दृष्टि का उपयोग शिक्षा, परामर्श, सामाजिक सेवा, उद्यमिता और सामुदायिक विकास में किया जा सकता है। सेवानिवृत्ति का अर्थ प्रतिभा की समाप्ति नहीं, बल्कि जीवन की दूसरी पारी का आरंभ भी हो सकता है। आवश्यकता इस बात की है कि समाज उन्हें बोझ नहीं, अपनी अमूल्य पूँजी माने। पेड़ जब पुराना होता है, तब भी उसकी छाया कम मूल्यवान नहीं हो जाती। इसी तरह अनुभव की परिपक्वता किसी भी राष्ट्र की विकास–यात्रा को दिशा दे सकती है। अब समय है कि केंद्र सरकार के साथ दूसरे राज्य भी केरल की इस पहल से प्रेरणा लें। केंद्र के माता–पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण–पोषण एवं कल्याण अधिनियम, 2007 के प्रभावी क्रियान्वयन की समीक्षा हो तथा आवश्यकतानुसार उसे और सशक्त बनाया जाए। राज्यों में वरिष्ठ नागरिकों के लिए समर्पित संरक्षण इकाइयाँ, सुलभ शिकायत व्यवस्था, निःशुल्क कानूनी सहायता, घर पर स्वास्थ्य सेवाएँ और स

एसआरएमपीएस – सोनाटा 2 2026 के साथ मनाए उत्कृष्टता के 21 वर्ष

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। हमारे श्रद्धेय संस्थापक एवं अध्यक्ष, स्वर्गीय श्री लक्ष्मी नारायण अग्रवाल जी के आशीर्वाद और उनके दूरदर्शी विचारों से प्रेरित होकर, श्री रामस्वरूप मेमोरियल पब्लिक स्कूल (एसआरएमपीएस), लखनऊ ने अपनी अंतर–विद्यालयीय संगीत एवं नृत्य प्रतियोगिता 'सोनाटा 2026' का सफल आयोजन किया। (हर भावना की अपनी एक कहानी है) थीम पर आधारित इस भव्य आयोजन ने विद्यालय की उत्कृष्टता के 21 वर्षों का



उत्सव मनाया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के माननीय उपमुख्यमंत्री श्री ब्रजेश पाठक जी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर डॉ. सृष्टि माथुर, डीन, भातखंडे विश्वविद्यालयय तथा डॉ. भारतेन्दु अग्रवाल, सोसायटी के सदस्य की गरिमामयी उपस्थिति ने समारोह की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम का एक विशेष आकर्षण 'मिशन जिंदगी' रहा, जिसे भारत का पहला महिला बैंड बताया जाता है। बैंड की उपस्थिति ने संगीत के माध्यम से महिला सशक्तीकरण, रचनात्मक अभिव्यक्ति और महिलाओं की प्रतिभा को प्रोत्साहित करने का प्रेरणादायक संदेश दिया। इस भव्य आयोजन में 30 विद्यालयों के 750 से अधिक प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा, रचनात्मकता, आत्मविश्वास और कलात्मक क्षमताओं को प्रदर्शित करने का एक शानदार मंच मिला। विद्यालय की निदेशक सुश्री श्रुति अग्रवाल एवं प्रधानाचार्या सुश्री अनुपमा वर्मा ने सभी सहभागी विद्यालयों, अतिथियों, निर्णायकों और आयोजन दल के प्रति आभार व्यक्त किया तथा कार्यक्रम को युवा प्रतिभाओं और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का यादगार उत्सव बनाने में उनके योगदान की सराहना की। सोनाटा 2026 ने समग्र शिक्षा के प्रति एसआरएमपीएस की प्रतिबद्धता तथा 'ए मॉडर्न गुरुकुल' की परिकल्पना को पुनः सुदृढ़ किया। विद्यालय का ध्येय वाक्य Nurturing Excellence, Inspiring Futures विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के संकल्प को प्रतिबिंबित करता है।

बच्चों का करें ठंड से बचाव - डॉ एस एस रजा

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। नगरीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा अधीक्षक एवं बाल रोग विशेषज्ञ डॉक्टर सैयद शाहिद रजा ने अभिभावकों को सतर्क करते हुए कहा कि बेमौसम बरसात के कारण ठंड बढ़ रही है। छोटे–छोटे बच्चों पर सर्दी और गर्मी का असर बहुत जल्दी पड़ता है इसलिए ठंड से बचाव करें बच्चों को गरम रखें। गर्म कपड़े पहनाकर रखें, ठंडी हवा में बाहर न घूमने दें। तेल की मालिश करें, बच्चों को सर्दी, जुकाम, बुखार एवं संक्रामक बीमारियों से बचाकर रखें। भविष्य में ठंड और बढ़ेगी इसलिए अभिभावकों



को अभी से बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर चेतना जागृत करनी होगी। संक्रामक बीमारियों की चपेट में आने पर तत्काल नजदीकी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में दिखाएं और डॉक्टर के परामर्श से ही कोई दवा खिलाई जानी चाहिए। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में भी विशेषज्ञ डॉक्टर हैं वहां भी परामर्श कर सकते हैं। सरकारी अस्पतालों में सभी दवाइयां निरूशुल्क दी जाती है और जांच निरूशुल्क की जाती है। बदलते मौसम में छोटे बच्चे सर्दी, जुकाम बुखार एवं संक्रामक बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं प्रतिदिन ओपीडी में छोटे–छोटे बच्चों की संख्या बढ़ रही है। छोटे–छोटे बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर सावधान रहना होगा।

सरदार पटेल की जयंती पर पुलिसकर्मियों ने ली राष्ट्रीय एकता की शपथ

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती एवं राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर शनिवार को जौनपुर पुलिस की ओर से शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। रिजर्व पुलिस लाइन में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण तथा क्षेत्राधिकारी नगरध्सहायक पुलिस अधीक्षक की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस दौरान पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा बनाए रखने की शपथ ली। साथ ही देशवासियों के बीच एकता, सद्भाव और भाईचारे की भावना को मजबूत करने तथा राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने का संकल्प लिया। इसके अलावा जिले के सभी थानों में भी राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। संबंधित थाना प्रभारियों ने पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई। कार्यक्रम का उद्देश्य सरदार वल्लभभाई पटेल के राष्ट्र निर्माण में योगदान और उनके आदर्शों को स्मरण करते हुए पुलिस बल में राष्ट्रीय एकता, अखंडता, कर्तव्यनिष्ठा एवं राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना को और मजबूत करना रहा।



'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के संकल्प को साकार करें युवा – जितेंद्र बहादुर सिंह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव



जौनपुर। यूपी के जौनपुर स्थित वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती पर शनिवार को अवेद्यनाथ संगोष्ठी भवन में राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह–2026 का आयोजन किया गया। प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की प्रेरणा से आयोजित समारोह में सरदार पटेल के राष्ट्र निर्माण और राष्ट्रीय एकता में योगदान को याद किया गया। मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश कोऑपरेटिव बैंक, लखनऊ के चेयरमैन जितेंद्र बहादुर सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में देश को वैचारिक और सामाजिक एकता की सबसे अधिक आवश्यकता है। सरदार पटेल के विचार और आदर्श युवाओं के लिए मार्गदर्शक हैं। युवाओं को उनके जीवन से प्रेरणा लेकर अनुशासन और राष्ट्र प्रथम की भावना को अपने आचरण में उतारना चाहिए। उनके दिखाए मार्ग पर चलकर ही 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के संकल्प को साकार किया जा सकता है। अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. आरके सिंह ने कहा कि सरदार पटेल ने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान कठिनाइयों के बावजूद देशहित के प्रति अपना समर्पण बनाए रखा। उनका त्याग और अनुशासन विद्यार्थियों को धैर्य, निष्ठा और समर्पण की सीख देता है। उन्होंने विद्यार्थियों से ईमानदारी से अध्ययन करने और अपने ज्ञान का उपयोग समाज की भलाई के लिए करने का आह्वान किया। इस दौरान टीडी कॉलेज के शिक्षक डॉ. सुभाष चंद्र विश्नोई ने देशभक्ति गीत प्रस्तुत किया। डॉ. नरेंद्र देव पाठक ने भी कला का प्रदर्शन किया। विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने एकल एवं समूह गान, नृत्य और रंगोली के माध्यम से राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया। कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिथियों ने महात्मा गांधी, सरदार पटेल, वीर बहादुर सिंह एवं महंत अवेद्यनाथ की प्रतिमाओं पर पुष्प अर्पित किए। सांस्कृतिक समिति के संयोजक प्रो. मनोज मिश्र ने स्वागत किया। कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह ने आभार जताया। संचालन अभिनव कीर्ति एवं अवंतिका यादव ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक, शोधार्थी और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा जिला कारागार का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का लिया गया जायजा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव



जौनपुर। जौनपुर। जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डा. यशवीर सिंह द्वारा संयुक्त रूप से जिला कारागार का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कारागार की बैरकों, भोजनालय, चिकित्सालय, मुलाकाती कक्ष, सीसीटीवी नियंत्रण कक्ष तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों की गहनता से जांच की गई। कारागार में निरुद्ध बंदियों से वार्ता कर उनकी समस्याओं तथा भोजन, स्वास्थ्य एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई। साथ ही अभिलेखों, सुरक्षा उपकरणों एवं साफ–सफाई की व्यवस्था का भी अवलोकन किया गया। संबंधित अधिकारियों को कारागार की सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ बनाए रखने, नियमित निगरानी करने तथा बंदियों को नियमानुसार आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए। इस अवसर पर जेल अधीक्षक पवन कुमार त्रिवेदी, जेलर अजय कुमार, जिला सूचना अधिकारी मनोकामना राय सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।0

एआरटीओ कार्यालय परिसर में लगा परिवहन मेला



जौनपुर। जौनपुर के एआरटीओ कार्यालय परिसर में शनिवार को परिवहन मेला लगा। सुबह 10 बजे से दोपहर डेढ़ बजे तक चले मेले में 125 लोगों को सेवाएं मिलीं। एआरटीओ अजीत सिंह ने बताया कि मेले का उद्देश्य विभाग की सेवाएं आसान और पारदर्शी बनाना था। लंबित मामलों का मौके पर समाधान करने के लिए विशेष काउंटर लगाए गए थे। ड्राइविंग लाइसेंस से जुड़े कामों में लर्निंग और स्थायी लाइसेंस, नवीनीकरण, पता बदलने और लाइसेंस में संशोधन के लिए मार्गदर्शन और समाधान दिया गया। वाहन पंजीकरण से जुड़े कामों में नाम ट्रांसफर, एनओसी, लोन दर्ज या हटाना, फिटनेस प्रमाणपत्र और पंजीकरण पुस्तिका से जुड़ी समस्याओं का समाधान किया गया। परिवहन विभाग से जुड़ी लंबित शिकायतों, तकनीकी समस्याओं और सुझावों के लिए हेल्पडेस्क बनाई गई। सड़क सुरक्षा सत्र में लोगों को यातायात नियमों, सड़क सुरक्षा और सुरक्षित ड्राइविंग की जानकारी दी गई। सामग्री भी बांटी गई।

सरदार पटेल के विचारों को आत्मसात कर राष्ट्र निर्माण में योगदान दें युवा - धनंजय सिंह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव



जौनपुर। यूपी के जौनपुर में राष्ट्रवादी नौजवान सभा के संस्थापक एवं पूर्व सांसद धनंजय सिंह, संरक्षक एमएलसी बृजेश सिंह तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष नवीन सिंह के नेतृत्व में शनिवार को शहर में जन एकता यात्रा निकाली गई। भारत रत्न लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती एवं राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर आयोजित इस यात्रा में हजारों की संख्या में युवा और समर्थक शामिल हुए। यात्रा सुबह करीब 11 बजे मोहम्मद हसन पीजी कॉलेज से शुरू हुई। भगवान शिव के डमरू वादन से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इसके बाद पूर्व सांसद धनंजय सिंह और एमएलसी बृजेश सिंह ने सरदार पटेल एवं पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण कर यात्रा को रवाना किया। यात्रा चहारसू चौराहा, कोतवाली, ओलंदगंज और जेसीज चौराहा होते हुए तिलकधारी सिंह महाविद्यालय स्थित महाराणा प्रताप व्यायामशाला पहुंचकर संपन्न हुई। इस दौरान पूर्व सांसद धनंजय सिंह ने कहा कि आजाद भारत के एकीकरण में सरदार वल्लभभाई पटेल की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने तमाम रियासतों को एकजुट कर देश को एक स्वरूप प्रदान किया। उनकी जयंती पर उन्हें याद करने और उनके विचारों से युवाओं को प्रेरित करने के उद्देश्य से जन एकता यात्रा निकाली जाती है। इसमें प्रदेशभर के नौजवान अपनी सहभागिता करते हैं। यात्रा का उद्देश्य युवाओं में देश के प्रति समर्पण की भावना पैदा करना और राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करना है। राजनीतिक दलों के बीच एक–दूसरे पर टिप्पणियों के सवाल पर उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में विचारों की आलोचना स्वाभाविक है, लेकिन आलोचना के दौरान कटुता और वैमनस्यता नहीं होनी चाहिए। कोई व्यक्ति हमारे विचारों से सहमत या असहमत हो सकता है, लेकिन वह हमारा शत्रु नहीं है। सार्वजनिक जीवन में रहने वाले लोगों को मर्यादित और संसदीय भाषा का प्रयोग करना चाहिए। आलोचना के साथ सवाल पूछने का अधिकार भी लोकतंत्र का हिस्सा है। यात्रा के दौरान युवाओं ने भारत माता की जय और सरदार वल्लभभाई पटेल अमर रहें के नारे लगाए। बड़ी संख्या में लोगों की मौजूदगी के कारण शहर के कई प्रमुख मार्गों पर जाम की स्थिति बनी रही। यातायात व्यवस्था संभालने में पुलिस को मशक्कत करनी पड़ी। कार्यक्रम में प्रमुख केडी सिंह, पूर्व प्रमुख गप्पू सिंह, आशुतोष सिंह, विनय सिंह, अमित सिंह, पुनीत सिंह, राणा सिंह, जिलाध्यक्ष रत्नदीप सिंह, जयप्रकाश सिंह, शिवेंद्र सिंह और दुर्गेश सिंह समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन अनिल श्रीवास्तव ने किया।

राम-रावण युद्ध के साथ गोपीपुर की एतिहासिक मेला का समापन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव



जौनपुर। सिरकोनी ब्लॉक के कजगांव क्षेत्र के गोपीपुर गांव में एक सप्ताह से चली आ रही 178वर्ष पुरानी ऐतिहासिक बुढ़वा बाबा रामलीला समिति का समापन शुक्रवार मेला के साथ हुआ। विजयदशमी मेला का आयोजन गांव के पंचकुटी रामजानकी हनुमान मंदिर बसावन तारा बागीचा में हुआ। मेले में राम–रावण का युद्ध देखने के लिये हजारों लोग दूर–दराज क्षेत्र से आये जहां श्रीराम व लक्ष्मण को श्रद्धालु कंधों पर बैठाकर पूरे मेले का चक्रमण कराये।मेले में जय श्रीराम का जयकारा लगता रहा जिसके बाद एक रथ पर राम–लक्ष्मण सवार हुये जहां दूसरे पर रावण सवार हुआ। दोनों में भयंकर युद्ध हुआ जहां श्रीराम ने ब्रह्मास्त्र चलाकर दशानन रावण का वध किया। राम के बाणों से रावण का पुतला धूं–धूंकर जलने लगा जहां पूरा वातावरण जय श्रीराम के जयकारों से गूंज उठा। इसके पूर्व मेले का शुभारम्भ मंदिर के पुजारी फलाहारी बाबा बजरंगी दास त्यागी, समाजसेवी ज्ञान प्रकाश सिंह,अपना दल(एस) के राष्ट्रीय सचिव पप्पू माली व ग्राम प्रधान आरती अखिलेन्द्र सिंह ने श्रीराम व लक्ष्मण की आरती उतारकर की। इस मौके पर समाजसेवी ज्ञान प्रकाश सिंह ने कहा कि मेरी तरफ से जो भी रामलीला में मदद होगी मैं करने को हमेशा तत्पर रहूंगा। आगे उन्होंने कहा कि भगवान श्री राम का जीवन त्याग,सत्य, मर्यादा,करुणा और कर्तव्यनिष्ठा की अनुपम मिसाल है, कलयुग में प्रभु श्री राम का नाम स्मरण सबसे सरल साधन है। मेले में बच्चों व महिलाओं ने जमकर खरीदारी की।इस अवसर पर शिवा सिंह रघुवंशी,धीरज सिंह,सूर्यभान सिंह,पूर्व प्रधान मनोज सिंह,संजय यादव,रोहित सिंह,बचानू सिंह,संजू गुप्ता, संचालक अमित सिंह जुगनू पीयूष सिंह विभु,शिवा सिंह,प्रभाकर सिंह,हरिकेश सिंह,अजय सिंह,विपिन सिंह पिंटू, रिंकज सिंह, रजनीश चौबे, सत्य प्रकाश सिंह,बिरजू सिंह,सहित तमाम लोग उपस्थित रहे। अन्त में रामलीला समिति के संरक्षक रविन्द्र बहादुर सिंह , प्रबंधक संतोष सिंह दादा व डायरेक्टर पप्पू महाजन ने मेले में आये सभी लोगों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

रिजर्व पुलिस लाइन सहित जिले के सभी थानों में आयोजित हुए कार्यक्रम, एकता और अखंडता बनाए रखने का लिया संकल्प

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव



जौनपुर। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती एवं राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर शनिवार को जौनपुर पुलिस की ओर से शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। रिजर्व पुलिस लाइन में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण तथा क्षेत्राधिकारी नगरध्सहायक पुलिस अधीक्षक की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस दौरान पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा बनाए रखने की शपथ ली। साथ ही देशवासियों के बीच एकता, सद्भाव और भाईचारे की भावना को मजबूत करने तथा राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने का संकल्प लिया। इसके अलावा जिले के सभी थानों में भी राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। संबंधित थाना प्रभारियों ने पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई। कार्यक्रम का उद्देश्य सरदार वल्लभभाई पटेल के राष्ट्र निर्माण में योगदान और उनके आदर्शों को स्मरण करते हुए पुलिस बल में राष्ट्रीय एकता, अखंडता, कर्तव्यनिष्ठा एवं राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना को और मजबूत करना रहा।

जगरानी हॉस्पिटल ने आयोजित किया जगरानी पिंक प्रॉमिस 2026

आर एल पाण्डेय



लखनऊ। महिलाओं में स्तन कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाने, बीमारी की समय पर पहचान के महत्व को समझाने और महिलाओं के स्वास्थ्य से जुड़े विषयों पर खुलकर संवाद को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से जगरानी हॉस्पिटल, लखनऊ द्वारा " जगरानी पिंक प्रॉमिस 2026 प्रॉमिस फॉर एवरी वुमन" स्तन कैंसर जागरूकता एवं शिक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में चिकित्सा विशेषज्ञों ने स्तन कैंसर के लक्षणों, जोखिम कारकों, शुरुआती पहचान, उपचार के विकल्पों तथा पोषण की भूमिका पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। बतौर मुख्य अतिथि मौजूद केजीएमयू की कुलपति डॉ. सोनिया नित्यानंद ने जगरानी हॉस्पिटल, लखनऊ द्वारा " जगरानी पिंक प्रॉमिस 2026 प्रॉमिस फॉर एवरी वुमन" स्तन कैंसर जागरूकता एवं शिक्षा कार्यक्रम में कहा कि स्तन कैंसर के प्रति जागरूकता ही इससे बचाव का सबसे प्रभावी उपाय है। आज भी कैंसर के बारे में लोगों में पर्याप्त जानकारी का अभाव है। जगरानी हॉस्पिटल के प्रबंध निदेशक डॉ. प्रवीण चन्द्रवंशी ने कहा कि स्तन कैंसर जागरूकता माह के तहत महिलाओं को बीमारी की शुरुआती पहचान और बचाव के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से कार्यक्रम आयोजित किया गया है। महिलाओं में जागरूकता की कमी और झिझक के कारण कई बार बीमारी का पता देर से चलता है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को स्वयं जागरूक होने के साथ अपनी बेटियों और परिवार की अन्य महिलाओं को भी इसके लक्षणों और जांच के तरीकों की जानकारी देनी चाहिए। उन्होंने स्तनपान से जुड़े भ्रम को दूर करते हुए कहा कि स्तनपान कराने से कैंसर नहीं होता। इसके अलावा, खानपान और जीवनशैली पर ध्यान देना भी जरूरी है। बच्चों को बाहरी और जंक फूड के अधिक सेवन से बचाने के लिए सप्ताह में एक दिन ही ऐसे खाद्य पदार्थ खाने की आदत डालनी चाहिए। कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ताओं ने अपने व्याख्यानों के माध्यम से स्तन कैंसर से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। डॉ. रितु सिंह (पीएचडी), पोषण विशेषज्ञ ने स्तन कैंसर की देखभाल में आहार एवं पोषण की भूमिका पर जानकारी दी। डॉ. एस. के. सिंह, एमएस, एमसीएच, (एम्स न्यू दिल्ली), सर्जिकल ऑन्कोलॉजी ने उपचार के विकल्पों और सर्जिकल देखभाल पर चर्चा की। प्रो. डॉ. नितिन रंजन गुप्ता, एमडी (मेडिसिन), डीएनबी (एंडोक्रोनोलॉजी) ने हार्मोन, जीवनशैली और स्तन कैंसर के जोखिम से जुड़े पहलुओं को समझाया। वहीं डॉ. शशांक निगम, एमएस (जनरल सर्जरी) ब्रेस्ट ऑन्कोलॉजी सर्जरी में फेलोशिप प्रशिक्षित ने स्तन कैंसर के संभावित संकेतों, जोखिम कारकों और शुरुआती पहचान के महत्व पर प्रकाश डाला। डॉ. शशांक निगम ने कहा कि अक्टूबर माह को स्तन कैंसर जागरूकता माह के रूप में मनाया जाता है। हालांकि शरीर के प्रत्येक अंग के कैंसर के प्रति जागरूकता जरूरी है, लेकिन स्तन कैंसर के मामले में जागरूकता अभियान का विशेष महत्व है। समय पर बीमारी की पहचान होने से इसके उपचार के परिणाम काफी बेहतर हो सकते हैं। कार्यक्रम में स्तन कैंसर जागरूकता क्विज, विशेषज्ञों के साथ संवाद तथा स्तन स्वास्थ्य जागरूकता प्रतिज्ञा जैसी गतिविधियाँ शामिल रहीं। क्विज के माध्यम से प्रतिभागियों को स्तन कैंसर से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियों से जोड़ने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम में यह संदेश दिया गया कि किसी भी असामान्य बदलाव को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए और आवश्यकता होने पर समय पर चिकित्सकीय परामर्श लेना चाहिए। कार्यक्रम का संदेश रहा कृ "ज्ञदवू. बीमबा. ।बज. ेनचचवतज." अर्थात जानें, जाँच कराएँ, समय पर कदम उठाएँ और साथ दें।

महापौर की अगुवाई में संतों–महंतों, छात्रों, महिलाओं, स्वयंसेवी संगठनों समेत अयोध्या वासियों ने की सफाई



(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर अयोध्या में स्वच्छता का अभूतपूर्व दृश्य देखने को मिला।मौका था मां सरयू स्वच्छता महाभियान का। नगर निगम की ओर से सप्ताह भर से चलाए जा रहे विशेष स्वच्छता अभियान का समापन मां सरयू के तट पर आयोजित महा स्वच्छता अभियान के साथ हुआ।महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी की अगुवाई में हजारों लोगों ने एक साथ स्वच्छता के लिए हाथ बढ़ाए। संतों–महंतों, सामाजिक संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं, व्यापारियों, अधिवक्ताओं, महिलाओं, युवाओं और छात्र–छात्राओं ने अभियान में उत्साहपूर्वक भागीदारी की।सुबह आठ बजे सरयू तट पर लोगों का जुटान हो गया। हाथों में गलब्स पहनकर कचरे और अपशिष्ट को एकत्र कर उसका निस्तारण कराया। अभियान पूर्वी छोर के झुनकीघाट से लेकर पश्चिमी छोर पर स्थित चौधरी चरण सिंह घाट तक चला। नगर आयुक्त श्री जयेन्द्र कुमार ने अभियान की निगरानी की। महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने कहा कि मां सरयू केवल अयोध्या की जीवनरेखा ही नहीं, बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र हैं। उनकी स्वच्छता और निर्मलता बनाए रखना केवल नगर निगम की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक अयोध्यावासी का कर्तव्य है। नगर निगम के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश पांडे ने बताया कि अभियान में संतों–महंतों, तीर्थ पुरोहितों, छात्रों, महिलाओं, व्यापारियों, शिक्षकों ने श्रमदान कर लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। अभियान को कामयाब बनाने में अपर नगर आयुक्त डॉ नागेंद्र नाथ भरत भार्गव नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर रम्मानी शुक्ला मुख्य का निर्धारण अधिकारी गजेंद्र नाथ कुमार की समेत नगर निगम की टीम की अहम भूमिका रही। इस अभियान में उपसभापति संतोष सिंह, भाजपा पार्षद दल के नेता बृजेंद्र सिंह, पार्षद दीपकुमार, सौरभ सूर्यवंशी, विनय जायसवाल, किशन मौर्य, हरिश्चंद्र अग्रहरि, सूर्यकुमार तिवारी सूर्या, रवि कुमार, अनीता द्विवेदी, प्रियेश दास, धर्मेंद्र मिश्र, अनिकेत यादव, सुनील यादव, अजय पांडेय, साकेत महाविद्यालय के प्राचार्य दानपति तिवारी, रघुवर संस्कृत महाविद्यालय के प्राचार्य केहर सिंह, तीर्थ पुरोहित समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश महाराज, जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश पांडे, वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ.राकेशमणि त्रिपाठी, भाजपा मंडल अध्यक्ष हेमंत जायसवाल, रवि सोनकर, पूर्व अध्यक्ष आलोक द्विवेदी, सतीश पांडेय, सुबोध चतुर्वेदी, व्यापारी नेता अरुण अग्रवाल, सामाजिक कार्यकर्ता आलोक सिंह, डॉ. शैलेंद्र पांडे मासूम, भास्कर शुक्ल, विजय पांडे, आदित्य सिंह बिसेन, दीपक शुक्ल, चंद्रशेखर तिवारी, राजकुमार पांडे, आभा सिंह,विनीता पांडेय, आशीष कौर, इंद्रप्रीत सिंह बेदी, श्रीनिवास शास्त्री, अवनीश मिश्र, राहुल सिंह, रोहित शर्मा, राहुल पाठक, विनोद पाठक, अमर चौधरी, हर्ष कुमार आदि शामिल रहे। अभियान में महाराजा इंटर कॉलेज, शिवदयाल जयसवाल इंटर कॉलेज, उदय पब्लिक स्कूल एवं महाराजा पब्लिक स्कूल के छात्र–छात्राओं ने भी हिस्सेदारी की और स्वच्छता संबंधी होर्डिंग बैनर के साथ अभियान में अहम भूमिका निभाई।

परिवहन मेले में 18.78 लाख रुपये का बकाया राजस्व जमा, 85 वाहन स्वामियों को मिला लाभ



अयोध्या।संभागीय परिवहन कार्यालय में शनिवार को आयोजित परिवहन मेले में बकाया राजस्व वसूली के साथ वाहन स्वामियों को परिवहन विभाग की विभिन्न सेवाओं का लाभ उपलब्ध कराया गया।मेले में शाम चार बजे तक 18.78 लाख रुपये का बकाया राजस्व जमा कराया गया। वहीं, बकाया कर पर देय पेनल्टी में छूट का लाभ मिलने से 85 वाहन स्वामियों को राहत मिली।परिवहन मेले का उद्घाटन मुख्य अतिथि अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) अयोध्या विष्णु राजा सिंह ने किया।इस अवसर पर उप परिवहन आयुक्त (परिक्षेत्र) अयोध्या राजकुमार सिंह, संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) विश्वजीत प्रताप सिंह,संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) संजय झा, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) डॉ. आरपी सिंह तथा सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) गुलाबचंद मौजूद रहे।मेले में ट्रक यूनियन, बस यूनियन और टैक्सी यूनियन के पदाधिकारियों के साथ 150 से अधिक ट्रांसपोर्टरों एवं वाहन स्वामियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।कुल लगभग 158 लोगों की उपस्थिति रही। परिवहन विभाग की ओर से वाहन स्वामियों को एक ही स्थान पर विभिन्न सेवाएं उपलब्ध कराने और वाहनों पर लंबित कर एवं अन्य बकाया देयताओं के निस्तारण की सुविधा प्रदान की गई।

शासन के प्रावधानों के तहत बकाया टैक्स पर देय पेनल्टी में छूट का लाभ देते हुए वाहन स्वामियों से बकाया कर जमा कराया गया। इसके अलावा अधिकारियों ने वाहन पंजीकरण, परमिट, फिटनेस प्रमाणपत्र, कर भुगतान और पेनल्टी में छूट सहित अन्य परिवहन संबंधी सेवाओं एवं प्रक्रियाओं की जानकारी दी।इस दौरान अधिकारियों ने कहा कि परिवहन मेले का उद्देश्य विभाग और वाहन स्वामियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना तथा परिवहन सेवाओं को सरल, पारदर्शी एवं सुलभ बनाना है। ऐसे आयोजनों से वाहन स्वामियों को अपनी समस्याओं के समाधान और लंबित देयताओं के निस्तारण के लिए एक ही स्थान पर सुविधा मिलती है। साथ ही बकाया राजस्व की वसूली में भी तेजी आती है।परिवहन विभाग ने बताया कि वाहन स्वामियों एवं ट्रांसपोर्टरों की सुविधा को देखते हुए नवंबर 2026 के अंतिम सप्ताह में भी इसी प्रकार के परिवहन मेले का आयोजन किया जाएगा।

अजय राय हत्याकांड में अखंड प्रताप सिंह की जिरह पूरी, ध्रुव सिंह अदालत में पेश

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में आजमगढ़ के लालगंज ब्लॉक प्रमुख अजय राय हत्याकांड में शनिवार को अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश सप्तम सुरेंद्र यादव की अदालत में सुनवाई हुई। इस दौरान आरोपी अखंड प्रताप सिंह की जिरह पूरी हुई, जबकि कासगंज जेल से तलब किए जाने पर आरोपी ध्रुव सिंह उर्फ कुन्नू को अदालत में पेश किया गया। अदालत



ने मामले की अगली सुनवाई के लिए छह नवंबर की तारीख निर्धारित की। मामले में इससे पहले गवाह संजय राय की अदालत में गवाही दर्ज की गई थी। संजय राय मृतक अजय राय के भाई हैं। सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष तथा बचाव पक्ष के अधिवक्ता मौजूद रहे। विदित हो कि दो नवंबर 2003 को सुबह करीब आठ बजे केशवपुर रेलवे क्रॉसिंग के पास गोली मारकर अजय राय की हत्या कर दी गई थी। इस मामले में भूपेंद्र कुमार सिंह, मुन्ना, अखंड प्रताप सिंह, ध्रुव सिंह उर्फ कुन्नू और अनिल यादव समेत अन्य आरोपित हैं। करीब 23 साल पुराने इस हत्याकांड की सुनवाई न्यायालय में जारी है। पीड़ित पक्ष की ओर से मृतक के भाई संजय राय ने न्यायालय पर भरोसा जताते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद है कि परिवार को न्याय मिलेगा। अधिवक्ता राकेश सिंह ने भी कहा कि पीड़ित पक्ष को न्याय दिलाने के लिए लगातार कानूनी प्रयास किए जा रहे हैं। इस दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता अवधेश सिंह, राजेश सिंह, राकेश सिंह और संजय सिंह समेत अन्य लोग उपस्थित रहे।

के.आर. इंटरनेशनल स्कूल में अन्नपूर्णालय कैंटीन का उद्घाटन

सुल्तानपुर, (संवाददाता)। क्षेत्र के ढेमा स्थित के.आर. इंटरनेशनल स्कूल में नवनिर्मित कैंटीन 'अन्नपूर्णालय' का उद्घाटन



समारोह हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मोतिगरपुर के थानाध्यक्ष अनिरुद्ध कुमार सिंह ने कैंटीन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर जनपद के विभिन्न समाजसेवियों एवं सामाजिक संस्थाओं को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। समारोह में शिक्षा एवं समाजसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले लोगों के योगदान की सराहना की गई। विद्यालय के प्रबंधक के.आर. राय ने बताया कि अन्नपूर्णालय की स्थापना विद्यार्थियों को स्वच्छ, पौष्टिक एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से की गई है। उन्होंने कहा कि विद्यालय प्रबंधन विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षिक वातावरण देने के साथ उनके स्वास्थ्य और सर्वांगीण विकास के लिए भी निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ स्वस्थ खानपान भी आवश्यक है। अन्नपूर्णालय के शुभारंभ से विद्यार्थियों को विद्यालय परिसर में बेहतर भोजन सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। कार्यक्रम में डॉ ऋषभदेव शुक्ला, कटका क्लब के अध्यक्ष डॉ. सौरभ मिश्र 'विनम्र', आशु कवि मथुरा प्रसाद सिंह 'जटायु', सुशील कुमार साहिदुंदु, आद्या सिंह, प्रदीप, सूरज शर्मा, देवेंद्र वर्मा, राज कूपर, संतोष सिंह, गप्पू सिंह, प्रधानाचार्य निरुपमा श्रीवास्तव, शिव कुमार तिवारी, डॉ. अमित मिश्र, राज कुमार मिश्र एवं प्रांजल मिश्र सहित दर्जनों गणमान्य लोग उपस्थित रहे। समारोह के अंत में विद्यालय प्रबंधन ने मुख्य अतिथि, सम्मानित समाजसेवियों एवं उपस्थित अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

स्कॉर्पियो का शीशा टूटने से मचा हड़कंप

सुल्तानपुर, (संवाददाता)। कोतवाली नगर क्षेत्र में गुरुवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के नेताओं की स्कॉर्पियो का पीछे की ओर का शीशा अचानक टूट गया। नेताओं ने गाड़ी पर फायरिंग किए जाने की आशंका जताई, जबकि पुलिस की शुरुआती जांच में सड़क से गिट्टी उछलकर शीशे से टकराने की बात सामने आई है। घटना में गाड़ी सवार सभी चार लोग सुरक्षित हैं। घटना गुरुवार सुबह करीब 11.40 बजे पांचोपीरन स्थित नवीन बाधमंडी के पास हुई। बताया गया कि वीआईपी के प्रदेश सचिव एवं जिले के प्रभारी बनाए गए संजय पासवान, जिलाध्यक्ष उर्मिला निषाद समेत चार नेता स्कॉर्पियो से टाटिया नगर से लंभुआ विधानसभा क्षेत्र में आयोजित पार्टी के कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। नवीन बाधमंडी के पास अचानक तेज आवाज के साथ स्कॉर्पियो के पीछे दाहिनी तरफ का शीशा टूट गया। इसके बाद गाड़ी रोक दी गई। आवाज सुनकर आसपास के लोग भी मौके पर पहुंच गए। पार्टी नेताओं ने घटना की सूचना स्थानीय प्रशासन को दी। जिलाध्यक्ष उर्मिला निषाद ने आरोप लगाया कि गाड़ी पर किसी ने फायरिंग की। उनका कहना था कि घटना के बाद गाड़ी के अंदर धुआं भर गया और शीशा टूट गया। हालांकि, पुलिस की प्रारंभिक जांच में फायरिंग की पुष्टि नहीं हुई है। पार्टी नेताओं के मुताबिक वे रास्ते में किसी व्यक्ति को नहीं जानते थे और न ही उन्हें किसी संदिग्ध को देखने की जानकारी है।

दो बाइकों की आमने–सामने भिड़ंत, कांस्टेबल गंभीर घायल

सुल्तानपुर, (संवाददाता)। कुड़वार थाना क्षेत्र में बुधवार शाम करीब 7.00 बजे दो बाइकों की आमने–सामने हुई जोरदार टक्कर में एक कांस्टेबल गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल सिपाही की पहचान दिव्यांश गुप्ता के रूप में हुई है। वह शाहजहांपुर का निवासी बताया जा रहा है। हादसे में उसके सिर में गंभीर चोटें आई हैं। बताया गया कि दुर्घटना के समय सिपाही ने हेलमेट नहीं पहन रखा था। जानकारी के अनुसार दिव्यांश गुप्ता दुर्गा पूजा के मद्देनजर ड्यूटी के लिए कुड़वार आए थे। बुधवार को ड्यूटी समाप्त होने के बाद वह अपने साथी अरुण पांडे के साथ बाइक से कुड़वार थाने लौट रहे थे। थाना परिसर के सामने पहुंचते ही सामने से आ रही बाइक से उनकी बाइक की जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दिव्यांश गुप्ता सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों और पुलिसकर्मियों ने तत्काल एंबुलेंस की मदद से उन्हें जिला चिकित्सालय पहुंचाया। ।

जिला कारागार में बंदियों की आंखों की जांच, 107 को चश्मे वितरित

सुल्तानपुर। जिला कारागार सुल्तानपुर में बंदियों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। जेल अधीक्षक प्रांजल अरविन्द के नेतृत्व में आयोजित इस शिविर में बंदियों की आंखों की जांच कराई गई। जांच के दौरान आंखों से संबंधित समस्याओं से ग्रसित बंदियों को चिह्नित किया गया। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, शिविर में आंखों की समस्या से पीड़ित 99 पुरुष और आठ महिला बंदियों को चश्मे बनवाकर वितरित किए गए।

कोस्मो फर्स्ट अयोध्या में लेकर आए पीवीसी–फ्री ग्रीन ग्राफिक फिल्म्स



आर एल पाण्डेय

अयोध्या। कोस्मो फर्स्ट, अपने कोस्मो फिल्म्स बिजनेस के माध्यम से, अयोध्या में लेकर आए हैं ग्रीन ग्राफिक फिल्म्स– जो व्यवसायों, प्रिंटरों और साइनबोर्ड निर्माताओं को पारंपरिक पीवीसी–आधारित ग्राफिक फिल्मों का पीवीसी–मुक्त विकल्प प्रदान करती हैं। विजुअल अपील और मटीलियल इनोवेशन के संयोजन से डिजाइन किया गया यह प्रोडक्ट ऐसे ब्रांडिंग समाधानों की बढ़ती जरूरत को पूरा करता है, जो गुणवत्ता और प्रत्यास्थता के साथ ग्राफिक्स के जिम्मेदार विकल्प प्रदान करें। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए, कोस्मो फिल्म्स के ग्लोबल बिजनेस हेड, श्री कुलभूषण मलिक ने कहा आजकल व्यवसाय केवल ब्रांडिंग मटीरियल के विजुअल अपील के दायरे से बढ़कर, इसकी बनावट, कार्यक्षमता और सस्टेनेबिलिटी को भी ध्यान में रखते हैं। ग्रीन ग्राफिक फिल्म्स के साथ, हम मार्केट में एक नया और पीवीसी–रहित विकल्प ला रहे हैं जो प्रिंट की बेहतरीन गुणवत्ता, लाईटवेट में कई फिनिश के विकल्प पेश करता है। इस समय ज़्यादातर व्यवसाय दिवाली की तैयारियों में जुटे हैं, ऐसे में वे विजुअल अपील के साथ कोई समझौता किए बिना त्योहारों के दौरान प्रमोशन के लिए नए–नए विकल्प आजमाना चाहते हैं। पॉलीप्रोपाइलीन से निर्मित, कोस्मो ग्रीन ग्राफिक फिल्म्स 100 फीसदी पीवीसी–रहित, थैलेट–रहित और हैलोजन–रहित हैं। पारंपरिक पीवीसी–आधारित ग्राफिक फिल्मों की तुलना में, ये एक अलग मटीरियल कम्पोजिशन और लाईटवेट कंस्ट्रक्शन से बनाए गए हैं, जिससे हैंडलिंग और इंस्टॉलेशन आसान हो जाता है। ये फिल्में सॉल्वेंट, इको–सॉल्वेंट, यूवी और एचपी लेटेक्स प्रिंटिंग तकनीकों का सपोर्ट करती हैं, जिससे स्पष्ट ग्राफिक्स और वाइब्रेन्ट रंग मिलते हैं। ये फिल्में ग्लॉस और मैट फिनिश में क्लियर और ग्रे एडहेसिव विकल्पों में उपलब्ध हैं, तथा व्यवसायों की विभिन्न ब्रांडिंग और डिस्प्ले संबंधी जरूरतों को पूरा करती हैं। रीसायक्लेबल होने के कारण से सस्टेनेबिलिटी को भी बढ़ावा देती हैं।

दिवाली के सीजन को देखते हुए यह नया प्रोडक्ट खासतौर पर प्रासंगिक हो जाता है जब रिटेलर, शोरूम, रेस्तरां और अन्य व्यवसाय ग्राहकों को लुभाने के लिए फेस्टिव साइनबोर्ड और प्रमोशनल डिस्प्ले में निवेश करते हैं। ग्रीन ग्राफिक फिल्म्स का उपयोग दुकान के साइनबोर्ड, विंडो ग्राफिक्स, स्टोर की सजावट, पॉइंट–ऑफ–सेल डिस्प्ले और प्रमोशनल पैनल के लिए किया जा सकता है। ऐसे में यह त्योहारों के दौरान विजुअल कम्युनिकेशन के लिए पारंपरिक पीवीसी–आधारित मटीरियल का अच्छा विकल्प है। इस सीजन के अलावा भी इन फिल्मों का उपयोग रिटेल ब्रांडिंग, इवेंट ग्राफिक्स और प्रमोशन के अन्य ऐप्लीकेशन्स में भी किया जा सकता है, बशर्ते कि वे कथित इस्तेमाल के लिए उपयुक्त हों। ग्रीन ग्राफिक फिल्म्स के माध्यम से, कोस्मो फर्स्ट ग्राहकों की बदलती जरूरतों को पूरा करने वाले नए और इनोवेटिव समाधान विकसित करने पर लगातार ध्यान दे रहा है। प्रिंट के बेहतरीन परफोर्मेन्स, इस्तेमाल में प्रत्यास्थता और पीवीसी–रहित संरचना के संयोजन द्वारा कंपनी का लक्ष्य प्रिंटर्स, साइनेज निर्माताओं और ब्रांड्स को ऐसा विकल्प प्रदान करना है, जो उनके सीजनल कैंपेन और रोजमर्रा की ब्रांडिंग जरूरतों के लिए जिम्मेदार विजुअल कम्युनिकेशन प्रदान करें।

सुल्तानपुर पहुंचे प्रो. रुदल यादव का भाजपा पर हमला

सुल्तानपुर, (संवाददाता)। विधान परिषद की 11 शिक्षक–स्नातक सीटों में सपा की पांच सीटें जीतने के बाद समाजवादी शिक्षक सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रो. रुदल यादव गुरुवार को सुल्तानपुर पहुंचे। यहां उत्तर प्रदेश पिछड़ा वर्ग कार्यालय पर उन्होंने शिक्षक–स्नातक चुनाव के नतीजों पर खुलकर बात की। प्रो. यादव

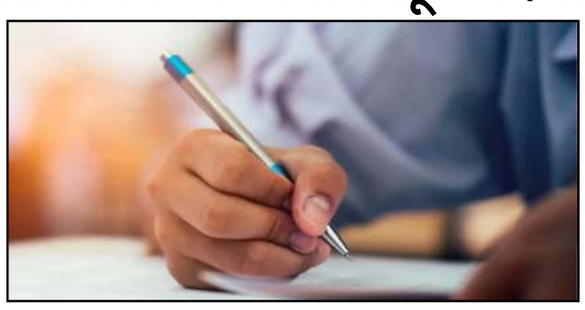


ने कहा कि ये जीत इस बात का संकेत है कि भाजपा की नीतियों से शिक्षक का विश्वास उठ चुका है। आगरा में आकाश अग्रवाल सहित अन्य शिक्षक और स्नातक एमएलसी की जीत अखिलेश यादव की सर्वमान्य नीतियों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि सपा हमेशा शिक्षक हितों को समर्पित रही है। नेताजी ने शिक्षकों की सेवा सुधार और कल्याणकारी योजनाओं में उदारता से काम किया, उन्हीं के आदर्शों पर चलकर अखिलेश यादव भी शिक्षकों के लिए काम कर रहे हैं। भाजपा पर निशाना साधते हुए बोले, भाजपा ने शिक्षकों का शोषण किया, उनके हितों को इग्नोर किया, उसी आक्रोश की परिणति है ये परिणाम। बनारस में पीएम के क्षेत्र में भी लाल बिहारी यादव और सिन्हा जी जीते, यही शिक्षकों का सपा के प्रति समर्पण और भाजपा के प्रति आक्रोश है। इस दौरान साथ बैठे ओम प्रकाश वर्मा ने कहा पूरे प्रदेश का प्रबुद्ध वर्ग हमारे साथ जुड़ रहा है, ये परिवर्तन का साफ संकेत है, हम 2027 में सरकार बनाने जा रहे हैं। जीते हुए सभी को दिल की गहराई से बधाई। इससे पूर्व कार्यालय पर संगठन के संरक्षक माता प्रसाद प्रजापति ने बैच लगाकर व माल्यार्पण कर प्रो. रुदल यादव का स्वागत किया।

भाजपा को ये चूक पड़ गई भारी, आगरा शिक्षक सीट पर मिली हार, विधानसभा चुनाव के लिए सबक

आगरा, (संवाददाता)। आगामी विधानसभा चुनाव से पहले हुए विधान परिषद चुनाव के परिणामों ने भाजपा को झटका और सीख एक साथ दी है। स्नातक सीट पर जीत और शिक्षक सीट पर मिली हार ने साफ किया कि अगर आधी–अधूरी तैयारी के साथ कार्यकर्ताओं और मतदाताओं की उपेक्षा कर मनमाने प्रत्याशी उतारे, तो एमएलसी चुनाव सरीखे नतीजे देखने को मिल सकते हैं। पार्टी में अंदरखाने इस पर चर्चा शुरू हो गई है। दोनों ही चुनावों में जीत और हार के वास्तविक कारण खोजे जा रहे हैं, जिससे कमियों को दूरकर विधानसभा चुनाव में बेहतर परिणाम लाए जा सकें। दरअसल, स्नातक और शिक्षक एमएलसी चुनाव विधानसभा चुनाव से इतर होते हैं। एमएलसी चुनाव में अमूमन जो प्रत्याशी ज्यादा वोट बनवाता है, उतना ही उसके जीतने की संभावना प्रबल होती है। प्रत्याशी कौन है, यह दूसरी बड़ी वजह होता है। वहीं, विधानसभा चुनाव में पार्टी कार्यकर्ता की सक्रियता, संगठन की बात मतदाताओं तक पहुंचना, प्रत्याशी कौन जैसे कई कारक काम करते हैं। भाजपा अपने ज्यादातर चुनाव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम–काम के बूते जीतने के गुमान में रहती रही है। इसी रवैये की वजह से एमएलसी चुनाव की दो सीटों पर दो तरह के परिणाम आए। एक ओर पार्टी ने खाटी कार्यकर्ता और लंबे समय से तैयारी कर रहे डॉ. मानवेंद्र प्रताप सिंह को चेहरा बनाया। पार्टी के भीतर कुछ नाराजगी के बावजूद जब चुनाव प्रचार परवान चढ़ा तो कार्यकर्ताओं ने जमकर वोट बनवाए और नतीजा गुरुजी के पक्ष में रहा।

49 केंद्रों पर होगी परीक्षा, सुरक्षा के कड़े इंतजाम – 12वीं तक के सभी स्कूल बंद रखने का आदेश



आगरा, (संवाददाता)। अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की ओर से प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (पीईटी) शुक्रवार को 49 केंद्रों पर होगी। इसमें 22776 अभ्यर्थी शामिल होंगे। परीक्षा दो पालियों में कराई जाएगी। इसके लिए प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। एडीएम सिटी यमुनाधर चौहान ने बताया कि परीक्षा के लिए जिले में 49 केंद्र बनाए हैं। पहली पाली सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक चलेगी। दूसरी पाली तीन से पांच बजे तक संचालित होगी। परीक्षा के लिए हर केंद्र पर दो–दो प्रशासनिक अधिकारी तैनात रहेंगे। इसमें 49 सेक्टर मजिस्ट्रेट और इतने ही स्टैटिक मजिस्ट्रेट लगाए गए हैं। सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस भी सक्रिय रहेगी। परीक्षा की तैयारियों का जायजा लेने के लिए अधिकारियों ने सभी केंद्रों पर निरीक्षण कर व्यवस्थाएं भी परखी हैं। जाम से बचाव के लिए यातायात पुलिस को भी अवगत करा दिया है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।